epaper.dehatsandesh.com

3 गुरु रविदास जी के प्रकाशोत्सव पर सत्संग और भव्य शोभायात्रा का आयोजन

5 सबालेंका ने जोविच को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

8 पूरे जम्मू व कश्मीर में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 14

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-25 | जम्मू तवी, बुधवार 28 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जम्मू, 27 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज सुबह एमए स्टेडियम में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केन्द्र शासित प्रदेश स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उपराज्यपाल ने गणतंत्र दिवस परेड की टुकड़ियों का निरीक्षण किया और सलामी ली। मार्च-पास्ट में सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईआरपी (महिला और पुरुष), जम्मू-कश्मीर पुलिस, जेकेएपी, यूटी आपदा प्रतिक्रिया बल, जम्मू-कश्मीर अग्निशमन और आपातकालीन सेवा, जम्मू-कश्मीर वन सुरक्षा बल, उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग, पूर्व सैनिक, एनसीसी (लड़के और लड़कियां), भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (लड़कियां और लड़के) और

कई बैकपैक टुकड़ियाँ, सेना, बीएसएफ,जम्मू-कश्मीर पुलिस के ब्रास और पाइप बैंड और विभिन्न स्कूलों के बैंड टुकड़ियों (लड़कियां और लड़के) द्वारा अनुशासित प्रदर्शन किया गया। इस समारोह में जीवंत झांकियों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर की विकासात्मक और सांस्कृतिक भावना को प्रदर्शित किया गया। मुख्य विषयों में ऑपरेशन सिंदूर, मिशन युवा, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर, श्रम को सम्मान, सरल कर, सशक्त भारत और खाद्य सुरक्षा शामिल थे। जेकेपी के डेयर-डेविल्स द्वारा प्रभावशाली मोटरसाइकिल कलाबाजी प्रदर्शन और यूटी की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाली विविध सांस्कृतिक झांकियों से भीड़ मंत्रमुग्ध हो गई।

बजट पूर्व परामर्श सरकारी प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : मुख्यमंत्री

जम्मू, 27 जनवरी। बजट सत्र से पहले चल रहे परामर्शों की श्रृंखला को जारी रखते हुएमुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को जम्मू में उद्योग एवं व्यापार, पर्यटन, होटल एवं आतिथ्य, शिक्षा, युवा मामले और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक व्यापक परामर्श बैठक की अध्यक्षता की।

इस दौरान हितधारकों ने कई क्षेत्र-विशिष्ट मुद्दे उठाए और समावेशी विकास और क्षेत्रीय विकास को गति देने के उद्देश्य से कई सुझाव प्रस्तुत किए।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बजट पूर्व परामर्श प्रक्रिया की गंभीरता और उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह की बातचीत केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि सरकारी प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परामर्श कई

वर्षों से चल रहे हैं और आज हमने इन्हें एक बार फिर आगे बढ़ाया है। कुछ लोगों को लग सकता है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसका जमीनी स्तर पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन यह धारणा वास्तविकता से बहुत दूर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के संपूर्ण वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति हितधारकों की बात सुनने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम आपके सुझावों को लेकर गंभीर नहीं होतेतो हम मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों तक, संपूर्ण सरकारी तंत्र को यहां नहीं लाते। हमारा उद्देश्य आपसे व्यापक परामर्श करना और जहां भी संभव हो, आपके सुझावों को बजट और हमारी नीतियों में शामिल करना है। हितधारकों की सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस तरह के परामर्श आधिकारिक आकलन और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को कम करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में बैठे-बैठे हमारे लिए सब कुछ जानना संभव नहीं है। अक्सर आधिकारिक चैनलों से हमें जो जानकारी मिलती है, वह जमीनी हकीकत से भिन्न होती है और इस तरह की बातचीत के माध्यम से ही हमें महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि यह संवाद केवल वार्षिक अभ्यास तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि यह साल में एक बार होने वाली बातचीत नहीं है, जिसके बाद आप हमें फिर कभी नहीं देखेंगे। हम इस संवाद को जारी रखने का प्रयास करेंगे, क्योंकि अंततः इससे शासन और जन कल्याण को लाभ होता है।अपने संबोधन के समापन में मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को उनकी रचनात्मक भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

नवयुग सुरंग के पास ताजा बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

जम्मू, 27 जनवरी । नवयुग सुरंग और उसके आसपास ताजा बर्फबारी के कारण सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर या श्रीनगर से जम्मू की ओर किसी भी वाहन की आवाजाही की अनुमति नहीं है।

इसके अलावा खराब मौसम और सड़क की स्थिति के कारण मुगल रोड, श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी (एसएसजी) रोड और सिंथन रोड पहले से ही बंद हैं।

अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि जब तक सड़कें पूरी तरह से बहाल नहीं हो जातीं और यातायात के लिए सुरक्षित घोषित नहीं हो जातीं तब तक इन मार्गों पर यात्रा न करें।

यात्रियों को अफवाहों पर विश्वास न करने की चेतावनी दी गई है और उनसे केवल आधिकारिक यातायात अपडेट पर भरोसा करने का आग्रह किया गया है। सही जानकारी के लिए लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे ट्रैफिक पुलिस के ट्विटर हैंडल को देखें या जम्मू, श्रीनगर और रामबन स्थित ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट (टीसीयू) से संपर्क करें।

कठुआ में सड़क दुर्घटना, छह लोग घायल

कठुआ, 27 जनवरी । मंगलवार सुबह कठुआ जिले में हुई एक सड़क दुर्घटना में चालक समेत छह लोग घायल हो गए।

अधिकारियों के अनुसार यह दुर्घटना तब हुई जब पंजीकरण संख्या यूपी16एलएस 762 वाली एक निजी गाड़ी जम्मू से कठुआ की ओर जा रही थी। बताया जाता है कि तेज गति से चलाई जा रही गाड़ी मेला मोड़ के पास डिवाइडर से टकरा गई जिससे गाड़ी में सवार सभी छह लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि टक्कर से गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा है। सभी घायलों को तत्काल हीरानगर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू की। मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

उच्च न्यायालय ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

जम्मू, 26 जनवरी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने आज जम्मू स्थित उच्च न्यायालय परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत भव्यता, देशभक्ति उत्साह और राष्ट्रीय गौरव के वातावरण में मनाया।

मुख्य न्यायाधीश, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय, श्री अरुण पल्ली ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। तिरंगे के आरोहण के साथ बैंड दल ने राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया, जिसके बाद देशभक्ति धुनों ने परिसर को राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया।

हिमपात के कारण श्रीनगर आने-जाने वाली 50 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 27 जनवरी । कश्मीर में हिमपात के कारण मंगलवार को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 50 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

भारतीय विमानन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने यहां बताया, श्रीनगर हवाई अड्डे पर प्रतिकूल मौसम और लगातार हिमपात को देखते हुए एयरलाइंस ने आज की अधिकांश उड़ानें रद्द कर दी हैं। हिमपात के कारण अब तक लगभग 50 उड़ानें - 25 आने वाली और 25 जाने वाली रद्द की जा चुकी हैं।

हिमपात अभी भी जारी है। चार और उड़ानें श्रीनगर हवाई अड्डे पर आने वाली थीं लेकिन अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम को देखते हुए उनके संचालित होने की संभावना नहीं है।

एक अधिकारी ने कहा, यात्रियों को नवीनतम जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के लिए अपनी-अपनी एयरलाइंस के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है। उड़ानों के रद्द होने से सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं जो घाटी में सप्ताहांत और गणतंत्र दिवस की छुट्टियां बिताने के बाद घर लौटने वाले थे।

जखानी चौक के पास एनएच-44 दुर्घटना में चार मृतकों में सीआरपीएफ जवान भी शामिल

उधमपुर, 27 जनवरी। मंगलवार को उधमपुर जिले के जखानी चौक के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर एक दुखद सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ के एक जवान व तीन नागरिकों की जान चली गई।

एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे हुई और इसमें एक यात्री बस, एक ऑफ-रोड वाहन और एक मोटरसाइकिल शामिल थी। 137 बटालियन सीआरपीएफ के सेकेंड-इन-कमांड करतार सिंह ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि एक सिविल बस ने एक स्थिर ऑफ-रोड वाहन को टक्कर मार दी जिसकी सड़क के किनारे मरम्मत चल रही थी। टक्कर से वाहन कुचल गया जिससे एक मैकेनिक और उसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण दो नागरिक टूटी खिड़की से गहरी खाई में गिर गये उनमें से एक की पहचान 52 बटालियन के सीआरपीएफ जवान के रूप में की गई जो घटना के समय छुट्टी पर था और यात्रा कर रहा था। चोटों के कारण उनकी भी मौत हो गई जिससे मरने वालों की संख्या चार हो गई। सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियों ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया और शवों को निकाला जिन्हें चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

शहीद कैप्टन सुनील चौधरी को कठुआ ने किया नमन, बलिदान को किया याद

कठुआ, 27 जनवरी । देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले कठुआ के वीर सपूत शहीद कैप्टन सुनील चौधरी की शहादत की वर्षगांठ पर मंगलवार को कठुआ में श्रद्धा और सम्मान के साथ श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कैप्टन सुनील चौधरी चौक कठुआ में आयोजित हुआ, जहां जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सेना के अधिकारियों और आम नागरिकों ने शहीद को नमन किया। समारोह में डिप्टी कमिश्नर कठुआ राजेश शर्मा, विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण, एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा, सेना के अधिकारी, शहीद के परिजन, पूर्व सैनिक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। सेना के जवानों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर शहीद के पिता कर्नल (सेवानिवृत्त) पी.एल. चौधरी ने अपने पुत्र की वीरता और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए कहा कि कैप्टन सुनील चौधरी ने 27 जनवरी 2008 को असम में आतंकियों से मुकाबला करते हुए मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे का बलिदान आज भी युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करता है और उनकी स्मृति सदैव जीवित रहेगी।

उपराज्यपाल सिन्हा ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की

जम्मू, 27 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लोक भवन जम्मू में भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की।इंटरैक्टिव सत्र के दौरान उपराज्यपाल ने गतिशीलता के उभरते परिदृश्य पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और युवा अधिकारियों को विकसित भारत के लिए तकनीक-प्रेरित रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। भारतीय रेलवे पटरियों और बुनियादी ढांचे से परे है और यह भारत की आकांक्षाओं की संचार प्रणाली के रूप में कार्य करता है। यह विशाल नेटवर्क आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देता है सामाजिक सामंजस्य बनाता है और हमारे देश को एक सूत्र में बांधता है। उपराज्यपाल ने कहा कि दुर्जेय पहाड़ी ऊंचाइयों से लेकर सुदूर ग्रामीण बस्तियों तक भारतीय रेलवे लाखों लोगों के रोजमर्रा के जीवन को ऊर्जावान बनाते हुए उद्योग और बाजार को एक सूत्र में पिरोता है। उपराज्यपाल ने सेवा वितरण में बदलाव के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से परिचालन यात्री और माल ढुलाई डेटा की संपत्ति का उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक और खुफिया-संचालित दृष्टिकोण मांग पूर्वानुमान को तेज करेगा, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने में मदद करेगा दुर्घटना जोखिमों को कम करने में मदद करेगा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा स्मार्ट तकनीक भारतीय रेलवे को 21वीं सदी के लिए एक आकर्षक, यात्री-प्रथम गतिशीलता पावरहाउस के रूप में फिर से कल्पना करने की कुंजी रखती है।

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स जम्मू ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बजट 2026-27 के लिए व्यापक प्रस्ताव सौंपे

जम्मू, 27 जनवरी। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स जम्मू चैप्टर ने अपने चेयरमैन राहुल सहाय के नेतृत्व में, जम्मू में बजट 2026-27 पर स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला साहब को एक व्यापक ज्ञापन सौंपा। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बजट से पहले सलाह-मशविरे की पुरानी परंपरा को फिर से शुरू करने की सराहना की और विश्वास जताया कि इस तरह की भागीदारी वाली गवर्नेंस जम्मू और कश्मीर को एक रेवेन्यू-सरप्लस केंद्र शासित प्रदेश के रूप में उभरने में मदद करेगी, साथ ही समावेशी विकास और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देगी। प्रस्ताव का मुख्य फोकस एक व्यावहारिक और वित्तीय रूप से संतुलित नई औद्योगिक नीति की आवश्यकता पर था जो मौजूदा उद्योगों का समर्थन करे, विस्तार को प्रोत्साहित करे और नए निवेश को आकर्षित करे। मौजूदा उद्योगों के लिए, इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने माइक्रो उद्योगों के लिए 3त्न और छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए 2त्न टर्नओवर-लिंक्ड इंसेंटिव, 2026 में एनसीएसएस लाभों की समाप्ति की भरपाई के लिए 5त्न वर्किंग कैपिटल सब्सिडी, एसआरओ-31 के तहत 2031 तक और उसके बाद एसजीएसटी रीइम्बर्समेंट जारी रखने, आधुनिकीकरण और सौर प्रतिष्ठानों के लिए टर्म लोन पर 6त्न ब्याज सब्सिडी, और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए उचित पूंजी सब्सिडी का प्रस्ताव दिया। पर्याप्त विस्तार करने वाली इकाइयों के लिए, इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने विस्तारित क्षमता के लिए टर्नओवर और वर्किंग कैपिटल इंसेंटिव का विस्तार करने, मौजूदा और नई दोनों गतिविधियों के एसजीएसटी रिफंड के लिए जारी रखने, उच्च सीमा के साथ विस्तार से जुड़े टर्म लोन पर 6% ब्याज सब्सिडी, और उच्च सीमा और योग्य घटकों की स्पष्ट परिभाषा के साथ मशीनरी और सौर संयंत्रों पर 35त्न तक की सरल पूंजी सब्सिडी की सिफारिश की। नई औद्योगिक इकाइयों के लिए, इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने टर्नओवर इंसेंटिव, वर्किंग कैपिटल सब्सिडी, संयंत्र और मशीनरी से जुड़े जीएसटी रिफंड को सरल परिभाषाओं के साथ, 35% तक पूंजी सब्सिडी, और टर्म लोन पर ब्याज सब्सिडी का सुझाव दिया, इन सभी का उद्देश्य परियोजना की व्यवहार्यता में सुधार करना और शुरुआती चरण के तनाव को कम करना है। चैंबर ने औद्योगिक लेनदेन के लिए स्टाम्प शुल्क और कोर्ट फीस से पूरी तरह छूट देने की भी पुरजोर वकालत की, जिसमें क्रेडिट सुविधाओं में वृद्धि या अधिग्रहण, उत्पाद लाइनों में बदलाव या जोड़, और सरकारी औद्योगिक एस्टेट के भीतर लीजहोल्ड भूमि और संपत्तियों से जुड़े लेनदेन शामिल हैं।

लद्दाख के उपराज्यपाल ने विभागीय सचिवों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की

लेह, 27 जनवरी। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता की अध्यक्षता में एलजी सचिवालय में एक व्यापक विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति का गहन मूल्यांकन किया गया और भविष्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।

उपस्थित लोगों में मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा, डीजीपी लद्दाख मुकेश सिंह, प्रशासनिक सचिव डॉ. एल. फैंकलिन, संजीत रोड्रिग्स, पी.टी. रुद्र गौड़, भूपेश चौधरी, शशांक अला, भानु प्रभा, माइकल डिसूजा, कारगिल के उपायुक्त राकेश कुमार, निदेशक, विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। पिछली समीक्षा बैठक के परिणामों और लक्ष्यों पर चर्चा के बाद, प्रशासनिक सचिवों ने बजट आवंटन और उपयोग के साथ-साथ प्रधानमंत्री विकास

पैकेज (पीएमडीपी) की स्थिति पर भी जानकारी दी।राजपत्रित, केंद्र शासित प्रदेश और ज़िला कैडर के पदों के लिए उम्मीदवारों की सुविधा हेतु लद्दाख के बाहर परीक्षा केंद्रों की व्यवहार्यता का आकलन; विकलांग आरक्षण के लिए जागरूकता अभियान, जिसमे पीएजीआईआर जैसे संगठनों का सहयोग शामिल है, साथ ही स्वास्थ्य विभाग के मनोचिकित्सकों द्वारा नशा प्रभावित युवाओं के लिए परामर्श और समाज कल्याण विभाग द्वारा लेह और कारगिल में नशामुक्ति केंद्रों को सक्रिय करना।

देव-मुनियों की तपोभूमि ऋषिकेश

गंगा के किनारे हरिद्वार से 24 किमी. दूर बसा ऋषिकेश युग-युगांतर से ऋषियों-मुनियों और देवताओं की तपस्थली रहा है। पुराणों के अनुसार यहां पर शिव, श्रीराम और लक्ष्मण ने तपस्या की थी...

आश्रम व मठ-मंदिरों की नगरी के रूप में विश्वविख्यात ऋषिकेश नगरी ऋषि-मुनियों की तप स्थली है। यहां न केवल पौराणिक मठ-मंदिरों की बड़ी संख्या हैं, अपितु अनेकों राष्ट्र संतों के आश्रम भी बहुतायत में हैं। शांति एवं आध्यात्मिक संतोष की प्राप्ति के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं और यहां के प्राकृतिक एवं पवित्र वातावरण में खो कर सब कुछ भूल जाते हैं।

ऋषिकेश का महात्मय

वाराह पुराण में इस धार्मिक नगरी के बारे में वर्णित है कि यहां देवदत्त नामक ब्राह्मण ने घोर तपस्या की थी, लेकिन शिव-विष्णु में भेद बुद्धि होने के कारण इंद्र ने उसकी तपस्या को प्रम्लोचा नामक अप्सरा द्वारा भंग करा दिया। देवदत्त ने पुनः तपस्या की, तो शिव ने कहा कि तुम मुझे ही विष्णु समझो। हम दोनों को एक भाव देखने पर तुम्हें शीघ्र ही सिद्धि प्राप्त होगी। पहले तुम्हारी हम दोनों से भेद बुद्धि थी, इसी कारण तुम्हारी तपस्या भंग हुई। देवदत्त के बाद उसकी लड़की रूरू ने यहां तपस्या की और भगवान से उसी रूप में यहां अवस्थित रहने की प्रार्थना की। भगवान तब यहां अवस्थित हो गए। एक अन्य कथा के अनुसार रैम्य मुनि ने यहां दस हजार वर्ष तक अपनी बांहें उठा कर भगवान विष्णु की तपस्या की। फिर वह एक हजार वर्षों तक जल पीकर और पांच सौ वर्ष तक शैवाल खा कर आराधना करते रहे। इससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने आम का आश्रय लेकर मुनि को देखा। भगवान विष्णु के आश्रय लेने के कारण आम का वृक्ष कुबड़ा हो गया। इस प्रकार इस तीर्थ का नाम 'कुब्जाम्रक तीर्थ' पड़ गया। भगवान विष्णु ने रैम्य मुनि को 'ऋषिकेश' के रूप में दर्शन दिए। अतः इसका नाम ऋषिकेश पड़ गया। यह भी बताते हैं कि राक्षसों के उत्पात से पीड़ित ऋषियों की प्रार्थना पर भगवान ने राक्षसों का नाश करके ऋषियों को यह साधन-भूमि प्रदान की। तभी से इसे ऋषिकेश कहा जाने लगा।

पुण्य पावन भगीरथी के किनारे चारों ओर फैली हुई विशाल और धनी वन-सम्पदा की गोद में हरिद्वार से 24 किमी दूर बसा आज का ऋषिकेश नगर पुरातन काल से ही महर्षियों का अतिप्रिय स्थल रहा है। श्रीराम, लक्ष्मण, भरत सहित अनेकों राजाधिराजों की तपस्या का वर्णन प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। मध्यकालीन शंकराचार्य, रामानुज आदि भी इस श्रेष्ठ तपोवन में आकर शांति लाभ प्राप्त करते रहे हैं। अब यह पावन धरा बैरागी साधु-महात्माओं की विहार वाटिका बन गई है। उत्तराखंड के बद्रीधाम, केदार धाम व गंगोत्री, यमुनोत्री जाने के लिए यहीं से यात्रा प्रारंभ होती है। आइए ऋषिकेश में व इसके आस-पास स्थित आश्रमों व अन्य दर्शनीय स्थलों का अवलोकन करें-

नीलकंठ धाम

सिद्धपीठ नीलकंठ धाम ऋषिकेश से 7 किमी दूर पूर्व की ओर स्थित नीलकंठ पर्वत पर स्थित शिव धाम है। आदिकाल में समुद्र मंथन के पश्चात भगवान शंकर ने समुद्र से निकलने वाले विष का पान किया था। किवदंती है कि विष की ज्वाला को शांत करने के लिए शिव ने इस स्थान पर आकर अज्ञातवास में आठ हजार वर्ष तक कठोर तपस्या की थी। यहां उनका नीला कंठ शिवलिंग के रूप में विद्यमान है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश बाज़ार में स्थित प्राचीन भरत मंदिर के आगे अंत में गंगा तट पर कुब्जाम्रक नामक पक्का कुंड है, जिसमें पर्वत के तीन स्रोतों से जल आता है। इसे लोग गंगा, यमुना, सरस्वती तीन नदियों की त्रिवेणी कहते हैं। इस स्थान का ऋषिकेश में वही महत्व है, जो हरिद्वार में हरि की पौड़ी का है।

कैलाश आश्रम

लक्ष्मण झूला सामने बहुमंजिला 'ब्रह्म विद्या कैलाश आश्रम' है। ब्रह्म विद्या के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से सन् 1880 में स्वामी धनराज गिरि महाराज ने इस आश्रम की स्थापना की थी। देशी व विदेशी साधुओं को योग-दीक्षा देने के साथ-साथ यहां हर प्रकार का धार्मिक साहित्य मिलता है।

स्वर्गाश्रम

यहीं से मंदिरों एवं आश्रमों का समूह प्रारंभ होता है। स्वर्गाश्रम का निर्माण गीता प्रैस गोरखपुर द्वारा कराया गया था। भवन में लक्ष्मी नारायण की सुंदर मूर्ति है। दीवारों पर अत्यंत भव्य रूप से रामायण व महाभारत का चित्रांकन किया गया है।

परमार्थ निकेतन

गीता भवन की सीमा समाप्त होते ही परमार्थ निकेतन का द्वार है। मुख्य द्वार के ऊपर बनी श्री कृष्ण व अर्जुन की मूर्ति कलात्मकता की अनूठी मिसाल है। अंदर प्रवेश करते ही बाईं ओर पंक्तिबद्ध मूर्तियां पौराणिक कथाओं के आधार पर बनाई गई हैं।

यात्रियों के आकर्षण का केंद्र लक्ष्मण झूला

ऋषिकेश से पांच किमी आगे दाहिनी ओर मुख्य सड़क से एक किमी नीचे उतर कर गंगा नदी पर बना यह झूलेनुमा पुल यहां का सबसे बड़ा आकर्षण है। कहते हैं, इस स्थान पर लक्ष्मण ने तप किया था तथा गंगा को पार करने के लिए अपने बाणों से पुल का निर्माण किया था। इसी की स्मृति में यहां गंगा के आर-पार लोहे के रस्सों से बंधे इस पुल को लक्ष्मण झूला नाम दिया गया। जिस प्रकार लक्ष्मण जी ने झूल-झूल कर पुल पार किया था, उसी प्रकार यात्री झूलते हुए पुल को पार करते हैं, जो अत्यंत रोमांच पैदा करता है। पुल के पास ही लक्ष्मण जी का मंदिर व लक्ष्मण घाट हैं।

कब जाएं ?

वैसे तो यात्री साल भर ऋषिकेश आते रहते हैं, लेकिन यात्रियों की अधिक संख्या गर्मी के मौसम में होती है।

कैसे जाएं ?

ऋषिकेश गढ़वाल मंडल का अंतिम रेल हैड है। मगर अधिकांश लंबी दूरी की गाड़ियां हरिद्वार एवं देहरादून तक ही आती हैं। अतः अधिकतर यात्री उपरोक्त दोनों रेलवे स्टेशनों से बस, कार या अन्य वाहनों से यहां पहुंचते हैं। दिल्ली से नियमित हवाई सेवा जोलीग्रांट एयरपोर्ट (देहरादून) तक आती हैं।

कहां ठहरें ?

यहां ठहरने के लिए राज्य सरकार का टूरिस्ट बंगला है। इसके अतिरिक्त आंध्र आश्रम, बाबा काली कमली, जय राम अन्न क्षेत्र, पंजाब सिंध क्षेत्र, गीता भवन, गोपाल कुटि, परमार्थ निकेतन, स्वर्गाश्रम आदि धर्मशालाएं व भवन हैं। अब महंगे होटल भी यहां के बाहरी क्षेत्रों में बन गए हैं।

अन्य दर्शनीय स्थल

तीर्थनगरी ऋषिकेश में छोटे-बड़े 50 के लगभग आश्रम हैं व पौराणिक मठ-मंदिर हैं। अन्य प्रमुख स्थलों में मधुबन आश्रम, दयानंद आश्रम, निर्मल आश्रम, गीता आश्रम, बाबा काली कमली, जय राम अन्नक्षेत्र, गोपाल कुटी, राम झूला, सच्चा धाम आश्रम व गुरुद्वारा हेमकुंड प्रमुख हैं।

पालमपुर की सैर

हवा में मधुर सी महक थी, शीतल हवा बह रही थी। प्रकृति के आँचल में फूल खिल रहे थे। कंगरा वादियों से पालमपुर की झलक दिखाई देती है। मान्यता है कि यह खूबसूरत स्थल जालंधर का स्थान रहा है। इस सुंदर स्थल की एक और विशेषता है कि यहाँ पर चाय के बगीचे, चावल के खेत नजर आते हैं।

भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पालमपुर की चाय बहुत ही प्रसिद्ध है। नगरों में लोग अँग्रेजों के समय बनाए गए वास्तुशिल्प इमारतों को देखकर दंग रह जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में दलाई लामा के निवास स्थल से तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है पालमपुर। यहाँ का मौसम सुहावना है अप्रैल से लेकर जून तक गर्मी रहती है। नवंबर से लेकर फरवरी तक ठंड का मौसम रहता है।

स्थानों को देखना

चाय की फैक्ट्री - कंगरा के चाय यहाँ पर देख सकते हैं। सेंट जॉन के गिरिजाघर से 200 किलोमीटर हैं पालमपुर। बुंदलामाता का मंदिर - पालमपुर से 2 किलोमीटर की दूरी पर हैं। पाँचवीं सदी के समय इस स्थान को स्थापित किया गया था। गोपालपुर में एक छोटा सा चिड़ियाघर है। जोकि पालमपुर से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चामुंड़ा देवी - देवी काली को यहाँ के निवासी चामुंड़ा के रूप में पूजा करते हैं।

अंडेट्टा - हस्तशिल्पाय एवं हाथ से बनाएँ चीजें पर्यटक को लुभाती हैं।

कंगरा किले - कहते हैं कि इस किले का निर्माण हजार साल पहले किया गया था। बिर में लामाओं का मठ स्थित है।

बैजनाथ मंदिर - भगवान शिव को बैद्यनाथ का रूप मानते हैं। मान्यता है रावण ने भगवान शिव की अराधना की थी। भगवान शिव ने रावण की कठोर तपस्या एवं पूजा से प्रसन्न होकर रावण को अमरता का वरदान दिया था। इस मंदिर में हजारों श्रद्धालु आते हैं। कैसे पहुँचें पालमपुर से हवाई अड्डा 37 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। टैक्सी एवं बस सब जगहों से उपलब्ध है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली 4 से पालमपुर 454 किलोमीटर की दूरी पर है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

गुरु रविदास जी के प्रकाशोत्सव पर सत्संग और भव्य शोभायात्रा का आयोजन

कठुआ, 27 जनवरी (हि.स.)। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के प्रकाशोत्सव पर शहर में पुराने बस स्टैंड स्थित गुरु रविदास मंदिर में सत्संग और भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत रविदास के जीवन से जुड़ी अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया और शहर के बीचोबीच धूमधाम से भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। मंगलवार को पुराने बस स्टैंड स्थित गुरु रविदास मंदिर से शुरू हुई सत्संग और शब्द कीर्तन को सुनने के लिए में काफी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर गुरु रविदास जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ढोल नगाड़ों के साथ काफी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर धूमधाम से भव्य शोभायात्रा निकालकर गुरु जी के प्रति अपनी आस्था का परिचय दिया। इस अवसर पर डीडीसी नगरी संदीप मजोत्रा ने गुरु रविदास जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज बहुत बड़ा पवित्र दिन है, श्री गुरु रविदास जी महाराज जी का 649वां प्रकाशोत्सव है। आज के पवित्र दिन पर तकरीबन 649 साल पहले गुरु रविदास जी महाराज इस संसार में प्रकट हुए। दीन, दुखियों, दलितों, पीड़ितों और मातृशक्ति का सहारा बनकर भारत माता के लाल ने जन्म लिया जिसने इस संसार में मानवता, आध्यात्मिकता और अकाल पुरुष का संदेश इस मानव जाति को दिया। उन्होंने बताया कि उनके जन्म के साथ ही बचपन के ही दिनों में उन्होंने कई कृतज्ञ दिखाएं। जिसके आगे बड़े बड़े महान राजा, बड़े बड़े छत्रपति राजा भी झुक गए और उनके चेले बन गए और चेले बनने के बाद गुरु रविदास जी का गुणगान गाया।

हिंदुस्तान पेंसिल फैक्ट्री में भीषण आग लगी, लाखों का हुआ नुकसान

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू शहर में अखनूर रोड स्थित हिंदुस्तान पेंसिल फैक्ट्री में मंगलवार शाम भीषण आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी जो देखते ही देखते पूरे परिसर में फैल गई। कुछ ही देर में फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया।

यह पेंसिल निर्माण की फैक्ट्री थी जहां लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री बड़ी मात्रा में मौजूद थी इसलिए आग ने और भी विकराल रूप धारण कर लिया। इस हादसे में बड़ी संख्या में पेंसिलें जलकर राख हो गई जिससे फैक्ट्री को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

राहत की बात यह रही कि इस भीषण अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फैक्ट्री में कार्यरत सभी कर्मचारी समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। आग की सूचना मिलते ही फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज विभाग को सूचित किया गया जिसके बाद कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस और जिला प्रशासन भी तुरंत हरकत में आया। जम्मू खास के तहसीलदार ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। फायर एंड इमरजेंसी विभाग के अधिकारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है हालांकि अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझाई नहीं गई है और एहतियात के तौर पर राहत कार्य लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि जब तक आग पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाती, तब तक दमकल कर्मी मौके पर डटे रहेंगे।

एनडीए चयनित कैडेट्स व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को किया गया सम्मानित

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। सैनिक स्कूल नगरोटा में भारत का 77वां गणतंत्र दिवस पूरे गर्व, अनुशासन और देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कैप्टन (आईएन) शिबू देवासिया ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड की सलामी ली और उपस्थित कैडेट्स, स्टाफ एवं अधिकारियों को संबोधित किया। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्राचार्य द्वारा संस्थान के प्रति समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवा देने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया। साथ ही सैनिक स्कूल नगरोटा एवं जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले कैडेट्स को विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनडीए 156 कोर्स के लिए एसएसबी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले चार कैडेट्स को उनकी कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया, जिससे संस्थान का गौरव और बढ़ा। वहीं सैनिक स्कूल नगरोटा की मार्चिंग टुकड़ी एवं बैंड टुकड़ी ने जम्मू परेड ग्राउंड में आयोजित जम्मू-कश्मीर यूटी स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेकर अनुशासन, सटीकता और सैन्य गरिमा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया समारोह को और विशेष बनाने के लिए कैडेट्स मेस में विशेष बड़ा खाना (बड़ा खाना) आयोजित किया गया, जिससे आपसी सौहार्द और उत्सव का माहौल बना। सैनिक स्कूल नगरोटा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह देशभक्ति, अनुशासन और उत्कृष्टता का सशक्त प्रतीक रहा, जिसने राष्ट्र निर्माण और भावी नेतृत्व तैयार करने में विद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया।

पुंछ की अदालत ने एक बड़े बैंक लोन घोटाले के मामले में अहम फैसला सुनाया

पुंछ 7 जनवरी (हि.स.)। जिला मोबाइल मजिस्ट्रेट, पुंछ की अदालत ने एक बड़े बैंक लोन घोटाले के मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने थाना पुंछ में दर्ज एफआईआर नंबर 216/2025 के तहत आरोपी आसिफ अली ज़रदारी और खुर्शीद हुसैन की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120-बी समेत अन्य गंभीर धाराओं से जुड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने गरीब और अशिक्षित लोगों को झांसा देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक दस्तावेज़ हासिल किए। इसके बाद फर्जी चालान और नकली फर्म बनाकर बैंकों से व्यावसायिक उपकरण ऋण स्वीकृत करवाए गए। आरोपियों ने एम/एस राजा ट्रेडर्स के नाम से एक फर्जी फर्म बनाकर जम्मू-कश्मीर बैंक की विभिन्न शाखाओं से करीब 10 फर्जी लोन मंजूर करवाए और बिना किसी उपकरण की खरीद किए पूरी राशि अपने खातों में ट्रांसफर कर ली। इस घोटाले में लगभग 1.30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पिछले 3 से 4 वर्षों से इसी तरह की धोखाधड़ी में शामिल रहे हैं। अब तक करीब 24 लोन मामलों में लगभग 2.5 करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। आरोपियों के खिलाफ थाना सुरनकोट और थाना पुंछ में भी अन्य एफआईआर दर्ज हैं। बैंक लोन फाइलों में गंभीर गड़बड़ियां पाई गई हैं और कुछ बैंक अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। अभियोजन पक्ष की ओर से यूटी जम्मू-कश्मीर के लिए वरिष्ठ सहायक लोक अभियोजक अजय कुमार सरीन ने जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध किया। उन्होंने अदालत को बताया कि आरोपियों पर धारा 420, 120-बी, 409, 468 और 471 आईपीसी के तहत गंभीर और गैर-जमानती आर्थिक अपराध बनते हैं। अभियोजन के अनुसार, आसिफ अली ज़रदारी इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड है जिसने सह-आरोपी और अन्य लोगों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची, फर्जी दस्तावेज़ तैयार किए और करोड़ों रुपये के लोन हासिल किए। अदालत को यह भी बताया गया कि जांच अभी एक अहम चरण में है, ठगी गई राशि की बरामदगी बाकी है और अन्य आरोपियों की पहचान की जानी है। ऐसे में जमानत मिलने पर जांच प्रभावित हो सकती है और गवाहों से छेड़छाड़ की आशंका है।

जम्मू-कश्मीर के स्टॉल पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग ने 21 से 25 जनवरी 2026 तक मैड्रिड में आयोजित पर्यटन के प्रमुख वार्षिक वैश्विक व्यापार मेले फितूर में भाग लिया। जम्मू-क पर्यटन विभाग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में कश्मीर के संयुक्त पर्यटन निदेशक वसीम राजा और जम्मू के संयुक्त पर्यटन निदेशक एजाज कैसर मलिक भी शामिल थे। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के टूर ऑपरेटर भी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वर्चुअल रियलिटी (वीआर) सुविधा थी जिसे जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा पहली बार प्रस्तुत किया गया था। वीआर मोड के माध्यम से मनमोहक दृश्यों के वीडियो देखकर आगंतुक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके अलावा, पेपर मशीन, बाशोली पेंटिंग्स और विकर विलो जैसी जम्मू-कश्मीर की कला और शिल्पकलाओं के प्रदर्शन ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया।

शहीद कैप्टन सुनील चौधरी को कठुआ ने किया नमन, बलिदान को किया याद

कठुआ, 27 जनवरी (हि.स.)। देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले कठुआ के वीर सपूत शहीद कैप्टन सुनील चौधरी की शहादत की वर्षगांठ पर मंगलवार को कठुआ में श्रद्धा और सम्मान के साथ श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कैप्टन सुनील चौधरी चौक कठुआ में आयोजित हुआ, जहां जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सेना के अधिकारियों और आम नागरिकों ने शहीद को नमन किया।

समारोह में डिप्टी कमिश्नर कठुआ राजेश शर्मा, विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण, एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा, सेना के अधिकारी, शहीद के परिजन, पूर्व सैनिक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। सेना के जवानों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया।

जम्मू बॉर्डर द्वारा 'विकसित भारत ' जनजागरण अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। बिश्नाह में भाजपा जिला जम्मू बॉर्डर द्वारा 'विकसित भारत - रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' जनजागरण अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जम्मू-कश्मीर महामंत्री एवं विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण संयोजक बलदेव सिंह बिलावरिया रहे जबकि बैठक में स्थानीय विधायक राजीव भगत जम्मू बॉर्डर प्रभारी राजेंद्र सिंह चिब एवं जम्मू-कश्मीर भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष राकेश पंत भी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए बिलावरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रभावी नीतियों और योजनाओं को लागू कर रही है। बिलावरिया ने कांग्रेस द्वारा 'विकसित भारत - रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (जी राम जी) को लेकर की जा रही टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा इस जनकल्याणकारी अभियान को 'राम नाम' से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'जी राम जी' किसी व्यक्ति या भावनात्मक प्रतीक का नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार, आजीविका सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति से ऊपर उठकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से कार्य कर रही है जबकि कांग्रेस बार-बार विकासशील योजनाओं को भी राजनीतिक चश्मे से देखने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब ऐसे भ्रामक और नकारात्मक प्रयासों को भली-भांति समझ चुकी है और विकास, रोजगार एवं सुशासन के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन जैसे कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, स्वयं सहायता समूहों तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना का लक्ष्य केवल मजदूरी प्रदान करना नहीं है बल्कि ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों को स्थायी रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

माउंट लिटेरा जी स्कूल कठुआ ने गणतंत्र दिवस पर मार्च पास्ट में हासिल किया तीसरा स्थान

कठुआ, 27 जनवरी (हि.स.)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कठुआ स्टेडियम में आयोजित भव्य परेड समारोह में माउंट लिटेरा जी स्कूल कठुआ ने मार्च पास्ट प्रतियोगिता में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि स्कूल की अनुशासनप्रियता, समर्पण और टीम वर्क की भावना का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की स्काउट टीम ने उत्कृष्ट तालमेल, अनुशासित कदमताल और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों और निर्णायकों का दिल जीत लिया। इस गौरवपूर्ण सफलता पर स्कूल प्रबंधन ने स्काउट टीम के छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों तथा प्रशासन को हार्दिक बधाई दी। सभी के अटूट सहयोग और कड़ी मेहनत से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई। स्कूल प्रशासन ने कहा कि माउंट लिटेरा जी स्कूल कठुआ न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि छात्रों में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व जैसे मूल्यों के विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। यह सफलता इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कक्षाओं के माध्यम से सभी आयु वर्गों के लोगों ने सीखे गायन कला के गुर

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट ने संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए गायन कक्षाओं की शुरुआत की है।

इस कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया गया। इन कक्षाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को संरचित स्वर प्रशिक्षण के साथ-साथ लाइव वाद्य यंत्रों के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाएगा। गायन कक्षाओं के शुभारंभ को चिह्नित करते हुए एक देशभक्ति गीत हमारा वतन भी लॉन्च किया गया। इस गीत को पूजा लल्होत्रा, माही शर्मा, कामिनी शर्मा और वासुकी केनी ने अपनी आवाज़ दी है। गीत के बोल और संगीत परविंदर सिंह ने तैयार किए हैं, जिन्होंने हारमोनियम पर भी संगत दी। वहीं बांसुरी पर रोहित कालोत्रा और ढोलक पर आशीष गिल ने वाद्य सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं मास्टर संसार चंद की पुत्री अनुराधा ऋषि ने कहा कि संगीत एक सार्वभौमिक माध्यम है, जो उम्र और पृष्ठभूमि से परे लोगों को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस से गायन कक्षाओं की शुरुआत करना संस्कृति के साथ देशभक्ति की भावना को जोड़ने का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि फ़हमारा वतनफ़ जैसे प्रयास समाज के सभी वर्गों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके पिता की कला, संस्कृति और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।

जम्मू-कश्मीर में घूमने आए कोलकाता के एक पर्यटक दंपती के साथ लूट

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में घूमने आए कोलकाता के एक पर्यटक दंपती के साथ लूट की घटना सामने आई है।

पीड़ितों का आरोप है कि उनका कैब चालक बनिहाल इलाके में उन्हें छोड़ने के बाद उनका सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोलकाता निवासी पर्यटक दंपती कश्मीर भ्रमण पर आए थे। उन्होंने एक कैब किराए पर ली थी। बनिहाल पहुंचने पर चालक ने उन्हें वहां उतार दिया और थोड़ी ही देर में उनका सामान लेकर मौके से फरार हो गया। चालक के जाने के बाद दंपती को एहसास हुआ कि उनके बैग और निजी सामान कैब में ही रह गए हैं। पीड़ितों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बताया कि आरोपी चालक की पहचान अमित के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। घटना में शामिल वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 16 एनटी 6191 बताया गया है। पीड़ित महिला उमा ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द कैब और आरोपी चालक को पकड़ लिया जाए, ताकि उनका सामान वापस मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस घटना से उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा है और उनकी यात्रा भी प्रभावित हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत पर संज्ञान लेते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी चालक और वाहन की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

हेरोइन के साथ एक और नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया

उधमपुर, 27 जनवरी (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने रौन डोमेल में हेरोइन के साथ एक और नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया उधमपुर दुधर पुल रौन डोमेल के पास नाकाबंदी के दौरान उधमपुर पुलिस स्टेशन की टीम ने मनवाल से उधमपुर की ओर आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका।

पूछताछ करने पर व्यक्ति ने अपनी पहचान भूपेश पगेत्रा उर्फ विशु पुत्र ओम प्रकाश निवासी महिला महाविद्यालय के पास कब्जर तहसील एवं जिला उधमपुर के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.74 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

उधमपुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 24 2026 धारा 8 21 22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज की गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जोनल पुलिस मीडिया सेंटर जम्मू, जम्मू-कश्मीर पुलिस उधमपुर रियासी रेंज पुलिस।

डोगरा लोकसंस्कृति के स्वर रमन सलाथिया को राज्य पुरस्कार

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा (सीए) ने डोगरा लोकसंस्कृति के प्रतिष्ठित गायक रमन सलाथिया को राज्य पुरस्कार से सम्मानित होने पर आत्मीय भाव से सम्मानित करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर सत शर्मा ने कहा कि रमन सलाथिया जैसे कलाकार अपनी साधना, सादगी और सुरों की शक्ति से अपनी मिट्टी की पहचान को पीढ़ियों तक जीवंत रखते हैं। उनके गीतों में डोगरा जीवन की खुशबू, पहाड़ों की ताजगी और लोकमन की धड़कन स्पष्ट रूप से सुनाई देती है।

इस अवसर पर भाजपा जम्मू-कश्मीर की उपाध्यक्ष रेखा महाजन भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि लोककला किसी भी क्षेत्र की आत्मा होती है और रमन सलाथिया ने अपनी सशक्त गायकी से डोगरा लोकसंस्कृति की इस आत्मा को नई उड़ान दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कलाकार समाज की सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखते हैं। गौरतलब है कि रमन सलाथिया जम्मू के उन प्रतिष्ठित डोगरा लोकगायकों में शामिल हैं, जिन्होंने पारंपरिक धुनों को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़कर डोगरा संस्कृति को एक व्यापक मंच प्रदान किया। वे अपने भाई निर्भय सलाथिया के साथ 'सलाथिया ब्रदर्स' के रूप में मंच साझा करते हुए लोकसंगीत की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। 'औस डोगरे आन' जैसे गीतों ने नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ा, वहीं 'डुडु बसंतगढ़ दी गुच्ची' जैसी रचनाओं ने लोकभाषा की मिठास को जन-जन तक पहुँचाया।

कला और संस्कृति के इस सम्मानपूर्ण क्षण में आर्ट एंड कल्चरल सेल जम्मू-कश्मीर यूटी के संयोजक नरिंदर सिंह, सह-संयोजक विनोद भल्ला एवं साहिल महाजन की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। साथ ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा के नेतृत्व, उपाध्यक्ष रेखा महाजन के सहयोग एवं राज्य सचिव अरुण कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में यह संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया कि संगठन लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

सोपोर पुलिस ने इकबाल मार्केट में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

सोपोर, 27 जनवरी (हि.स.)। सोपोर पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए सोपोर पुलिस ने होटल डी इन के पास इकबाल मार्केट में नाका चेकिंग के दौरान एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया। नाका चेकिंग के दौरान नूरबाग से इकबाल मार्केट की ओर आ रही एक सैंट्रो कार को सोपोर पुलिस ने रोका। पूछताछ करने पर चालक ने अपनी पहचान इशाक अहमद शल्ला पिता फारूक अहमद शल्ला निवासी शालीमार कॉलोनी सोपोर के रूप में बताई। वाहन की गहन तलाशी के दौरान, कार से कोडीन फॉस्फेट की बोतलें बरामद हुईं। सोपोर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 22 के तहत एफआईआर संख्या 23 2026 दर्ज की गई। बरामद प्रतिबंधित सामग्री को विधिवत जब्त कर लिया गया और आरोपी चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

सरस मेला 2026 का प्रारंभ जम्मू में 31 जनवरी से शुरू होगा

जम्मू, 27 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन 31 जनवरी से 9 फरवरी तक कला केंद्र में सरस मेले के एक व्यापक संस्करण की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस भव्य आयोजन से पहले, मिशन निदेशक डॉ. शुभ्रा शर्मा ने तैयारियों की समीक्षा की और मेले के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया डॉ. शुभ्रा शर्मा ने कहा, सरस मेला ग्रामीण महिलाओं के लिए बड़े सपने देखने, अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करने, खरीदारों से जुड़ने और अपने कौशल को स्थायी अवसरों में बदलने के द्वार खोलने का एक माध्यम है, जो पूरे समुदायों के उत्थान में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम चाहते हैं कि प्रतिभागी खरीदारों से जुड़ें, आधुनिक विपणन और डिजिटल उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें और ऐसे नेटवर्क बनाएं जो मेले के बाद भी कायम रहें। कई महिलाओं ने पहले ही इन मुलाकातों को छोटे लेकिन टिकाऊ व्यवसायों में बदलना शुरू कर दिया है, जिससे उनके गांवों में अन्य महिलाओं को प्रेरणा मिल रही है। भारत भर के स्वयं सहायता समूहों को एक साथ लाकर, हमारा उद्देश्य स्थायी अवसर पैदा करना, आत्मविश्वास बढ़ाना और नवाचार को प्रोत्साहित करना है ताकि उद्यमिता ग्रामीण समुदायों में जीवन शैली बन जाए। खास बात यह है कि यह भव्य मेला जम्मू और कश्मीर और अन्य राज्यों के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को एक साझा मंच पर लाता है। उनकी मेजों पर हाथ से बुने हुए कपड़े, घर का बना खाना और ग्रामीण जीवन से प्रेरित रोजमर्रा के उत्पाद रखे होते हैं, जो इस बात की छोटी-छोटी, व्यावहारिक झलक दिखाते हैं कि भारत भर में स्वयं सहायता समूह की सदस्य कैसे काम करती हैं, खाती हैं और अपनी आजीविका कमाती हैं।

सरस मेला ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और शहरी उपभोक्ताओं से बातचीत करने का मंच प्रदान करता है। हालांकि यह दीर्घकालिक बाजार पहुंच की गारंटी नहीं देता है, लेकिन कुछ प्रतिभागी खरीदारों के साथ स्थायी संबंध विकसित करते हैं, जिससे ऐसे व्यापार नेटवर्क बनते हैं जो आयोजन के बाद भी जारी रहते हैं। यह मेला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को आधुनिक ब्रांडिंग और पैकेजिंग से भी परिचित कराता है, जिससे उन्हें ग्राहकों की पसंद की जानकारी मिलती है और एक बड़े बाजार का अनूठा अनुभव प्राप्त होता है। आगंतुकों को कई राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्टॉल देखने को मिलेंगे, जिनमें हथकरघा और हस्तशिल्प से लेकर प्रामाणिक क्षेत्रीय व्यंजन तक सब कुछ शामिल होगा। यह मेला हाथों और आदतों, चित्रित लकड़ी, धीमी आंच पर पके भोजन और घर से चली आ रही परंपराओं का मिलन स्थल है, जहां प्रत्येक स्टॉल उस स्थान और उससे जुड़े लोगों की छाप लिए हुए है।

संपादकीय

पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक

जम्मू शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में दिन–ब–दिन वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो गया है, क्योंकि तेज़ गति से चलने वाले यातायात के बीच सड़कें पैदल चलने वालों के लिए असुरक्षित होती जा रही हैं। यह उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों तथा ऑस्ट्रेलिया जैसे महाद्वीप–देशों में पैदल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। वहां पैदल चलने वालों को प्रथम अधिकार प्राप्त है और वाहन चालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनके लिए गति धीमी करें या रुकें। इसके विपरीत भारत, विशेषकर जम्मू–कश्मीर में, पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा की चिंता स्वयं करनी पड़ती है, क्योंकि वाहन चालक प्राय: उनकी सुरक्षा को महत्व नहीं देते।

यह एक गंभीर मुद्दा है और सरकार को जम्मू क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कानून बनाने चाहिए। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अतिक्रमण की समस्या ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रूप से चलने की जगह बहुत कम बची है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि प्रशासन पर्याप्त फुटपाथों, ज़ेब्रा क्रॉसिंग, पैदल यात्री संकेतों और गति सीमा की व्यवस्था करे, विशेषकर स्कूलों, अस्पतालों और व्यस्त बाज़ारों के आसपास, जहां पैदल आवागमन अधिक रहता है। साथ ही अतिक्रमणकारियों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी और उदाहरणात्मक कार्रवाई करना भी अनिवार्य है, क्योंकि यही दो प्रमुख कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सबसे अधिक प्रभावित कर रहे हैं।

इसके अलावा, समाज के सभी वर्गों—विशेषकर पैदल यात्रियों—को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि सड़कों पर अपेक्षित सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। वाहन चालकों को यह समझना होगा कि सड़कें केवल वाहनों और उनके यात्रियों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए हैं। बच्चों, बुज़ुर्गों, महिलाओं और अन्य लोगों को अपने दैनिक कार्यों के लिए इन्हीं रास्तों से गुजरना पड़ता है।

अत: पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक क्षेत्र में पैदल चलने वालों के लिए पूर्णत: सुरक्षित ढांचा विकसित नहीं हो जाता, तब तक वाहन चालकों के दृष्टिकोण में बदलाव लाना अनिवार्य है, अन्यथा पैदल यात्रियों का जीवन लगातार जोखिम में रहेगा। सरकार, यातायात विभाग और आम नागरिकों को मिलकर सामूहिक पहल करनी होगी, ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा के साथ–साथ उनकी सुविधा भी सुनिश्चित की जा सके। इससे जम्मू क्षेत्र सभी के लिए एक बेहतर और सुरक्षित रहने योग्य स्थान बन सकेगा।

हीराकुंड जलाशय के पक्षियों की अनोखी दुनिया

परिवेश व पर्यावरण के प्रति जागरुकता तो इससे बढ़ती ही है, पक्षी प्रेम और उनके प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ती है। इससे जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण तो होता ही है, टिकाऊ विकास का नजरिया भी मजबूत होता है। मानसिक स्वास्थ्य में भी पक्षी संगीत मददगार है। विशेषकर, जलवायु बदलाव के दौर में यह पहल बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, जब गर्मी पड़ने के कारण पक्षियों का जीवन संकट में है, पीने के लिए पानी का अभाव है, तब पक्षियों के प्रति जागरुकता सार्थक व उपयोगी है।हाल ही मैंने ओडिशा के हीराकुंड बांध की यात्रा की। यह बांध संबलपुर के पास महानदी पर बना है। आजादी के पहले बांधों में से एक है। इस विशाल बांध में मैंने कई पक्षियों को खेलते देखा। इसके पहले भी मैंने राजस्थान के तालाबों पर रिपोर्टिंग की है। वहां के बहुत पुराने तालाबों में पक्षियों को देखा था और उनकी आवाजें सुनी थीं, यह बहुत ही अच्छा अनुभव था। आज के स्तंभ में मैं पक्षी और उनके महत्व पर बात करना चाहूंगा, जिससे हमारे आसपास की प्रकृति से हम परिचित हो सकें और उससे जुड़ सकें।हीराकुंड जलाशय की यात्रा के दौरान हम पैदल घूमे। यहां बड़ी संख्या में पक्षी दिखाई दिए। हाल ही में खबर आई है कि यहां उनकी गणना हुई है। सर्दियों में विदेशी पक्षी बहुत आते हैं। जिसमें बताया गया है कि यहां 128 प्रजातियां हैं, जिसमें 5 नई प्रजातियां भी शामिल हैं। यह पक्षी, सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। अब यह पर्यटक स्थल भी है। जिस दिन हम वहां गए थे, उस दिन स्कूली बच्चे भी आए हुए थे।मैं कई दिनों से बरगढ़ शहर में हूं, वहां से हीराकुंड की नहर गुजरती है। प्राय: रोज ही मैं सुबह की करता हूं। नहर के किनारे घूमता हूं। नहर में पक्षियों को खेलते देखना अनोखा है। यहां के पेड़ों पर उनका बसेरा होता है। इन ठंड दिनों में सुबह और शाम उन्हें देखना सुखद है। वे झूला झूलते हैं, इधर-उधर फुदकते हैं, गीत गाते हैं और धूप सेंकते हैं।विशेषकर, किंगफिशर यहां काफी दिखता है। उसे पेड़ों पर बैठे देखना, फिर पानी में डूबते उतरते देखना बहुत ही मनमोहक है। इसके साथ पेड़ों पर तरह-तरह की चिड़ियाओं की आवाजें सुनना, जैसे वे हमसे कुछ बात कर रही हों। कई साल बाद मुझे चिड़ियों की चहचहाहट सुनकर ही जागने का मौका मिला है। इससे मुझे बचपन की याद आती है। जब मैं गांव में रहता था और चिड़ियों की चहचहाहट से ही अक्सर जाग जाता था।लेकिन बाद के वर्षों में शहरों व कस्बों में रहा तो ऐसा मौका कम आया। बरगढ़ में रहते हुए सुबह व शाम को ऐसे नजारे देखने को मिलते रहे। कुछ वर्षों से मैंने पक्षियों में विशेष दिलचस्पी ली है। मैंने राजस्थान के तालाबों पर रिपोर्टिंग के दौरान पक्षी दर्शन पर विशेष ध्यान दिया। इसके बाद कुछ पक्षियों की पहचान भी हो गई, अब इसमें और भी जुड़ाव महसूस होने लगा।यहां दोपहर में भी जब मैं कोई किताब पढ़ता हूं, तब चिड़ियों की आवाजें अपनी ओर खींचती हैं। मैं किताब छोड़कर देखता हूं, वह कहां से बोल रही है। उसे पास से देखने का मन करता है और उनको खोजने निकल पड़ता हूं। मेरे एक पक्षी विशेषज्ञ मित्र कहते हैं, अगर प्रकृति और पक्षियों को पहचान जाओगे, जान जाओगे तो वे सदैव के लिए तुम्हारे मित्र बन जाएंगे।मैं कुछ साल पहले छत्तीसगढ़ में जन स्वास्थ्य सहयोग नामक संस्था में लोकेश तमगीरे नामक डॉक्टर से मिला, उनकी भी पक्षियों में गहरी रुचि है। कुछ समय पहले उनसे लम्बी बात की और उनके अनुभव जाने। वे बतलाते हैं कि कुछ साल पहले जब वे छत्तीसगढ़ में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था में कार्यरत थे, तब से जंगल में घूमना, परिवेश से जुड़ना, पक्षी देखना शुरू हुआ। यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है और उसके उपकेन्द्र अचानकमार वन्यजीव अभयारण्य के पास शिवतराई व बम्हनी गांव में हैं। इन गांवों का रास्ता जंगल के बीच से होकर गुजरता है। बम्हनी जाते समय मनियारी नदी भी कल-कल बहती है। बिलासपुर जिले के अचानकमार अभयारण्य में घना जंगल तो है ही, रंग-बिरंगे पक्षी भी बहुत हैं।ज़्यादा जानेंवे आगे बतलाते हैं कि इसके बाद महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में लोक बिरादरी प्रकल्प हेमलकसा में काम किया। यह संस्था प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रकाश आमटे व उनकी पत्नी डॉ. मंदाकिनी आमटे की है। यह स्वास्थ्य के अलावा सामाजिक क्षेत्र के कई काम करती है।उन्होंने बताया कि एक दिन जंगल में साइकिल से घूमते-घामते अचानक पीले रंग का पक्षी देखा, इसे अंग्रेजी में गोल्डन ओरिएल (पीलक) कहते हैं। यह बहुत ही आकर्षक व सुंदर था। इससे उनकी पक्षी देखने में दिलचस्पी बढ़ी। रोज़ सुबह-शाम सैर करना। साइकिल और कैमरा लेकर निकल पड़ना, फोटो खींचना और पक्षियों की पहचान करना, यह सब दिनचर्या का हिस्सा बन गया।लोकेश तमगीरे ने बताया कि वर्ष 2019 में सेवाग्राम वर्धा आ गए। यह गांधीजी की कर्मस्थली है। गांधी के विचारों से प्रेरणा मिली। इस पहल में प्रकृति, पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण भी जुड़ गया। इसके बाद कोविड-19 का दौर आ गया। देशव्यापी तालाबंदी हो गई।

इस दौरान %भारत के बर्डमैन' विख्यात पक्षी विज्ञानी सालिम अली की किताबें पढ़ीं। यहां व्यवस्थित तरीके से वीडियो बनाना शुरू किया।इस बीच उनकी बेटी 3 साल की हो गई, उसे भी साइकिल पर बिठाकर सैर कराने ले जाते थे। पक्षी देखना, आवाजें सुनना, उसे बहुत ही अच्छा लगता था। वह 3 साल की उम्र में 7-8 पक्षियों की आवाज पहचान लेती थी। बच्चों के विकास में भी पक्षी अवलोकन बहुत मददगार है, यह उन्होंने अनुभव किया। वह उन्हें संवेदनशील बनाता है।

अब तक 50 पक्षियों की आवाज़ सुनकर उन्हें पहचानना सीख लिया था।पक्षी भी हमारी तरह प्रकृति का हिस्सा हैं। पक्षी परागीकरण में, खाद्य श्रृंखला में, फसलों के कीट नियंत्रण में बहुत उपयोगी हैं। जंगल को बढ़ाने के लिए भी पक्षियों का योगदान है। कई पेड़ों के बीज पक्षी खाते हैं और उनकी विष्ठा के माध्यम से ये बीज मिट्टी में मिल जाते हैं, जब नमी मिलती है, तब अंकुरित हो जाते हैं। इस तरह नया पेड़ बनता है। पक्षियों की विष्ठा खेतों को उर्वर बनाती है। कौंआ, चील और गिद्ध अच्छे सफाईकर्मी की तरह काम करते हैं।पंछियों की आवाज, पक्षी संगीत स्पष्ट रूप से किसी भी व्यक्ति की मनोदशा, मानसिक स्वास्थ्य और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। कई जगह यह देखा गया है कि इससे तनाव, चिंता और अवसाद काफी हद तक कम होता है। इस कारण आजकल मानसिक स्वास्थ्य के लिए बर्डस साऊंड थैरेपी' का इस्तेमाल किया जा रहा है।कुल मिलाकर, पक्षी अवलोकन कई तरह से उपयोगी है।

परिवेश व पर्यावरण के प्रति जागरुकता तो इससे बढ़ती ही है, पक्षी प्रेम और उनके प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ती है। इससे जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण तो होता ही है, टिकाऊ विकास का नजरिया भी मजबूत होता है। मानसिक स्वास्थ्य में भी पक्षी संगीत मददगार है। विशेषकर, जलवायु बदलाव के दौर में यह पहल बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, जब गर्मी पड़ने के कारण पक्षियों का जीवन संकट में है, पीने के लिए पानी का अभाव है, तब पक्षियों के प्रति जागरुकता सार्थक व उपयोगी है। क्या हम उनसे जुड़ना चाहेंगे?

प्रदूषण बनाम टैरिफ

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे। उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

बिना रुकावट के शासन– बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

–अरिहन्त कुमार

आज़ादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पैना साफ़ थी- रेलवे दूर–दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे–जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। ज़मीन मंजूरी का इंतज़ार करती रही, मंजूरी डिज़ाइनों का इंतज़ार करती रहीं, डिज़ाइन उपयोगबदलने का इंतज़ार करते रहे, और इसके लाभ दूसरेकार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फ़ाइल में दबी मंजूरियों का इंतज़ार करती रहीं।

हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की ज़िम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों–टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग–अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही।

जब तरक्की रुकी, तो ज़िम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी।

जिस चीज़ की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्वय वालेइकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया।

प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्परना 2015 में की गई, यह देखने में एकआसान सा विचार था- कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नज़रिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़िम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारितसमय और वापस आने की तारीख तय की गई।

फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ़ इन उच्च औस्तकरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चलरहेकाम में ज़िंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो–थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टमपरिचालनकी रीढ़ है।

मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य औरउद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी–संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफ़ॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुलकला के भीतर, पीएमजीसमेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, ज़मीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च–स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फ़ाइलों, पत्राचार और समय–समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय–सीमा, उपलब्धि और ज़मीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तंविक समय के आंकड़े शामिल है। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंजूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय म ौ ज ू द ा वास्तविकताओंकेआधारपरनिर्णयलिएजातेहैं ।

इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वॉयन में आने वाली रुकावटें अब चिट्ठियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं; उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम–स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें शुरू से ही पारदर्शिताशामिल है। केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन और परियोजना चलाने वाले सभी एक ही जानकारी एक साथ देखते हैं, टिप्पिणयां दे सकते हैं, अपडेट अपलोड कर सकते हैं और काम पूरा होने तक प्रगति पर निगरानी रख कर सकते हैं।

यह साझा विजिबिलिटी जवाबदेही को पूरी तरह से बदल देती है। रोल–बेस्ड डैशबोर्ड पर्सनलाइज्ड व्यू देते हैं, जिससे सीनियर लीडरशिप से लेकर जिला प्रशासन तक के अधिकारी यह देख पाते हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में किस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है। ऑटोमेटेड अलर्ट, रिमाइंडर और कम्प्लायंस ट्रैकिंग यह पक्का करते हैं कि मुद्दे समय के साथ खत्म न हों, बल्कि समाधान होने तक बार–बार सामने आते रहें। मीटिंग के एजेंडा, मिनट्स और समीक्षादस्तावेज सीधे डेटा से जेनरेट होते हैं, जिससे रूटीन रिपोर्टिंग का काम कम होता है और फैसले लेने पर फोकस बढ़ता है।

नतीजतन, ज़्यादातर मुद्दे इस टेक्नोलॉजी–सक्षम समन्वमय के ज़रिए चुपचाप हल हो जाते हैं, जबकि ज़्यादा जटिल, अंतर–मंत्रालयी रुकावटों को एक कैलिब्रेटेड फ्रेमवर्क के ज़रिए टॉप प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जाता है। यह वृद्धि नाटकीय नहीं होती; यह सोचसमझकरकीजातीहै। इस तरह, पीएमजीको केंद्र में रखकर बनाया गया यह प्रगति इकोसिस्टम, टेक्नोलॉजी और गवर्नेंस को जोड़ता है, डेटा को फैसलों में और फैसलों को डिलीवरी में बदलता है। इस सिस्टम में, काम पूरा होना सिर्फ एक उम्मीद नहीं है, बल्कि एक अपेक्षा है।

मैंने देखा है कि मंत्रालयों और राज्यों में व्यवहार कैसे बदला है। जब हर कोई एक ही सच देखता है, तो बिखराव असहज हो जाता है। जब किसी व्येवस्थार में सीधे प्रधानमंत्री की देखरेख में देरी को उजागर किया जाता है, उसका नाम लिया जाता है और उस पर दोबारा विचार किया जाता है, तो देरी करना मुश्किल हो जाता है। जो परियोजनाएं सालों से अटकी पड़ी थी – एयरपोर्ट, रेल लाइनें, हाईवे, पावर कॉरिडोर – वे चलने लगे, इसलिए नहीं कि उनकीप्रकृति बदल गई, बल्कि इसलिए कि उनके आसपास की धुंध छंट गई।

आज, 85 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की तीन हज़ार से ज़्यादा परियोजनाएं इस इकोसिस्टम से गुज़र रही हैं। मुद्दे उठते हैं, सुलझते हैं और एक तय संस्थागत लय के साथ खत्म होते हैं। यह गवर्नेंस का नाटक नहीं है; यह उसका अनुशासन है। नागरिकों के लिए, इसका असर अमूर्त नहीं है। यह उस पुल में महसूस होता है जो आखिरकार खुलता है, उस ट्रेन में जो समय पर चलती है, उस एयरपोर्ट में जो अब सिर्फ़ घोषणाओं में मौजूद नहीं है। हर पूरा होने वाला काम चुपचाप इस विश्वास को बहाल करता है कि सरकार समय का पालन करे, जिससे जनता का पैसा जनता के काम आ सके।

जैसे–जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, पूंजी मायने रखेगी, महत्वाकांक्षा मायने रखेगी, लेकिन डिलीवरी सबसे ज़्यादा मायने रखेगीऔर डिलीवरी महत्वेपूर्ण बाधाओं को दूर करने या कभी–कभार के हस्तक्षेप पर निर्भर नहीं रह सकती। यह सिस्टम में शामिल, नियमित और मज़बूत होनी चाहिए। यही प्रगति इकोसिस्टम की मौन उपलब्धि है। इसने गवर्नेंस को वह दिया है जिसकी उसे लंबे समय से कमी थी- समय का प्रबंधन करने का एक तरीका। अधिकार को जवाबदेही के साथ, डेटा को फैसलों के साथ, और मॉनिटरिंग को काम पूरा होने के साथ जोड़कर, इसने देरी को एक बर्दाश्त की जाने वाली आदत से एक अस्वीकार्य नतीजे में बदल दिया है।

ऐसा करतेहुए, यह हमें याद दिलाता है कि प्रगति हमेशा ज़ोरदार नहीं होती। कभी–कभी, यह एक ऐसेतंत्रके रूप में आती है जो बस चीज़ों को हाथ से निकलने नहीं देता।

(लेखकप्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) मेंलीड और सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंटहैं।)

केआईडब्ल्यूजी में आर्मी ने बरकरार रखा आइस हॉकी स्वर्ण, हरियाणा ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

लेह (लद्दाख)। एनडीएस स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारतीय सेना की अनुभवी टीम को पुरुष वर्ग के आइस हॉकी स्वर्ण पदक को बरकरार रखने के लिए जुझारू चंडीगढ़ के खिलाफ अपनी पूरी क्षमता झोंकनी पड़ी। सेना की टीम ने चंडीगढ़ को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। मैच का निर्णायक गोल अंतिम हूटर से महज़ तीन मिनट पहले आया और केआईडब्ल्यूजी 2026 के लद्दाख चरण का इससे बेहतर और रोमांचक समापन हो ही नहीं सकता था। हरियाणा ने अपने फिगर स्केटिंग और आइस स्केटिंग खिलाड़ियों द्वारा जीते गए चार स्वर्ण पदकों की बदौलत केआईडब्ल्यूजी 2026 के लद्दाख चरण की टीम चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। लद्दाख, महाराष्ट्र और तेलंगाना ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते, लेकिन रजत पदकों की संख्या के आधार पर उनका स्थान तय हुआ। लद्दाख (5 रजत), महाराष्ट्र (3 रजत) और तेलंगाना (2 रजत) इसी क्रम में पदक तालिका में रहे। चंडीगढ़ की पुरुष आइस हॉकी टीम इस समय पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई, जब उसने शनिवार को सेमीफाइनल में मेजबान लद्दाख को 3-2 से हराकर सभी को चौंका दिया। केआईडब्ल्यूजी 2025 से आइस हॉकी खेलना शुरू करने वाली इस टीम का फाइनल में पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि रही।

तिलक वर्मा शेष टी-20 मैचों से बाहर, श्रेयस अय्यर टीम में बने रहेंगे

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज़ तिलक वर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के शेष मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में अस्थायी तौर पर टीम में शामिल किए गए श्रेयस अय्यर को अब पूरी सीरीज़ के लिए टीम में बनाए रखने का फैसला किया गया है। श्रेयस अय्यर टीम के साथ विशाखापट्टनम और फिर तिरुवनंतपुरम का दौरा करेंगे, जहां सीरीज़ के आखिरी दो मुकाबले खेले जाने हैं। तिलक वर्मा को इस महीने की शुरुआत में राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी के एक मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी कराई गई। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। बीसीसीआई के अनुसार, तिलक की रिकवरी सही दिशा में है, लेकिन उन्हें पूरी तरह मैच फिट होने के लिए अभी और समय चाहिए। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि तिलक वर्मा मौजूदा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टी-20 सीरीज़ के अंतिम दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि, उनसे उम्मीद की जा रही है कि वह 7 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। तिलक 3 फरवरी को मुंबई में भारत के वॉर्म-अप मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे।

बीसीसीआई ने पूर्व अध्यक्ष आईएस बिंद्रा के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने पूर्व अध्यक्ष इंदरजीत सिंह बिंद्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बिंद्रा का नई दिल्ली में 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय क्रिकेट प्रशासन ने अपने सबसे प्रभावशाली और दूरदर्शी नेताओं में से एक को खो दिया है। आई.एस. बिंद्रा भारतीय क्रिकेट प्रशासन की उन शख्सियतों में शामिल रहे, जिनकी सोच और नेतृत्व ने देश में क्रिकेट के संचालन और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका को नई दिशा दी। चार दशकों से अधिक लंबे प्रशासनिक करियर के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भारतीय क्रिकेट की उल्लेखनीय सेवा की। वर्ष 1993 से 1996 तक बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बिंद्रा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में भारत की स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, वह 1978 से 2014 तक पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के अध्यक्ष भी रहे। इस दौरान उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए जो कार्य किए, उनकी छाप आज भी पंजाब क्रिकेट पर साफ नजर आती है। उनके योगदान के सम्मान में वर्ष 2015 में मोहाली स्थित पीसीए स्टेडियम का नाम बदलकर आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम रखा गया।

टाटा स्टील मास्टर्स:गुकेश की जोरदार वापसी, फेडोसेव को हराया, प्रज्ञानानंद और एरिगैसी ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स 2026 में शानदार वापसी करते हुए रूसी ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव को मात दी। लगातार दो हार के बाद यह जीत गुकेश के लिए बेहद अहम रही। काले मोहरों से खेलते हुए 19 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने रणनीतिक और टैक्टिकल खेल का शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ गुकेश चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले खराब दौर से गुजर रहे गुकेश के लिए यह मुकाबला आत्मविश्वास बढ़ाने वाला साबित हुआ, जिसमें उन्होंने अंततः टैक्टिक्स के दम पर बाज़ी मारी।इस बीच, एक ऑल-इंडिया मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी और अरविंद चितंबरम के बीच मुकाबला रोमांचक ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों खिलाड़ियों को आधा-आधा अंक मिला।वहीं आर. प्रज्ञानानंद ने 14 वर्षीय ग्रैंडमास्टर यागिज़ कान एरदोग्मस के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद ड्रॉ हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: ज्वेरेव ने टीन को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए अमेरिका के लर्नर टीन को 6-3, 6-7(5), 6-1, 7-6(3) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल की ओर कदम बढ़ाते नजर आ रहे हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव, जो पिछले साल यानिक सिनर के खिलाफ उपविजेता रहे थे, अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज और एलेक्स डी मिनॉर के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनका चौथा सेमीफाइनल होगा। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव ने पहला

सेट अपने नाम किया। पहले सेट के छठे गेम में उन्हें अहम ब्रेक मिला, जब 20 वर्षीय टीन का क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड शॉट लाइन से बाहर चला गया। इससे ज्वेरेव को बढ़त मिल गई और उन्होंने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरा सेट बेहद कड़ा रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई खास अंतर देखने को नहीं मिला। यह सेट टाईब्रेक तक गया, जहां टीन ने शानदार पासिंग शॉट लगाकर सेट प्वाइंट हासिल किया और उसे भुनाते हुए 7-6(5) से सेट जीत लिया। हालांकि तीसरे सेट में ज्वेरेव ने शानदार वापसी की। उन्होंने अपनी गलतियों पर काबू पाया और दो बार टीन की सर्विस तोड़ते हुए सेट को आसानी से 6-1 से अपने नाम कर लिया।

चौथा सेट भी काफी रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ी अपनी सर्विस बचाते रहे। अंततः मुकाबला फिर से टाईब्रेक में पहुंचा, जहां ज्वेरेव ने दबदबा बनाते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

मैच के बाद ज्वेरेव ने टीन की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'बेसलाइन से लर्नर अविश्वसनीय खेल रहे थे। काफी समय में मैंने किसी खिलाड़ी को इतना अच्छा खेलते नहीं देखा। मुझे नहीं पता कि ऑफ-सीजन में माइकल चांग ने उनके साथ क्या किया है, लेकिन उनका खेल शानदार है। आज मैं शायद अपने 20 ऐस के बिना यह मैच नहीं जीत पाता। मैं सेमीफाइनल में पहुंचकर बेहद खुश हूं।' ज्वेरेव ने इस मुकाबले में कुल 20 ऐस लगाए, जो उनकी जीत का अहम कारण बने।

रणजी ट्रॉफी प्लेट जीत पर बीसीए अध्यक्ष हर्षवर्धन बोले- खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार जज़्बा और मानसिक मजबूती

एजेंसी

पटना। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप में ऐतिहासिक खिताबी जीत के बाद टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने जबरदस्त मानसिक मजबूती, धैर्य और चरित्र का परिचय दिया, जिसका नतीजा यह बड़ी सफलता है। मुईन-उल-हक स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में बिहार ने मणिपुर को 568 रनों के विशाल अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें बिहार ने हर विभाग में दबदबा बनाए रखा। बीसीए अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा कि कठिन परिस्थितियों से उबरते हुए दबाव में शानदार प्रदर्शन करना टीम की परिपक्वता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। उन्होंने इस जीत को खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, एकजुटता और बिहार क्रिकेट के प्रति समर्पण का परिणाम बताया। मैच के हीरो रहे साकिबुल गनी ने बिहार की जनता और बीसीए अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि टीम आने वाले वर्षों में एलीट ग्रुप में भी चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मेहनत करेगी। मैच के बाद आयोजित पुरस्कार एवं ट्रॉफी वितरण समारोह में बीसीए के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। सचिव जियाउल अर्फीन ने इसे बिहार क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सपोर्ट स्टाफ की सराहना की। मैच में बिहार ने पहली पारी में 522 रन बनाए, जवाब में मणिपुर 264 पर सिमट गया। दूसरी पारी में बिहार ने 505/6 पर पारी घोषित की।

तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज और बिग बैश लीग (बीबीएल) के दिग्गज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 17 साल लंबे अपने शानदार करियर के बाद रिचर्डसन ने क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने यह ऐलान अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए किया। केन रिचर्डसन बिग बैश लीग के इतिहास में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे हैं। वह 15 सीज़न में 142 विकेट लेकर बीबीएल के पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज के रूप में अपने करियर का अंत कर रहे हैं। उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिचर्डसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 25 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2021 टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे। इसके अलावा, उन्होंने bibiel 8 में मेलबर्न रेनेगेड्स की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रिचर्डसन ने अपना टी20 करियर 2009 में साउथ

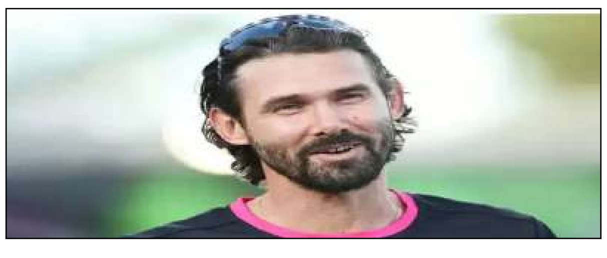

ऑस्ट्रेलिया के लिए उस समय शुरू किया था, जब बिग बैश राज्य आधारित टूर्नामेंट के रूप में खेला जाता था। बाद में उन्होंने बीबीएल 01 में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले ही मुकाबले में डेब्यू किया। स्ट्राइकर्स के लिए उन्होंने छह सीज़न में 36 मैच खेले, इसके बाद बीबीएल 07 में वह मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए।मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए केन रिचर्डसन बीबीएल इतिहास के सबसे सफल पुरुष गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 80 मैचों में 104 विकेट झटके, जो किसी भी रेनेगेड्स गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक हैं। अपने करियर के अंतिम चरण में, लगातार चोटों से जूझते हुए, 34 वर्षीय रिचर्डसन ने बीबीएल 15 में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए दो मैचों के साथ अपना करियर समाप्त किया। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने 34 फर्स्ट क्लास मैचों में 102 विकेट लिए, जबकि 98 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 153 विकेट दर्ज हैं। कुल मिलाकर, रिचर्डसन ने 201 टी20 मैच खेले, जिसमें उनका करियर उन्हें दुनिया भर में ले गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: सबालेंका ने जोविच को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न। टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविच को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भीषण गर्मी से प्रभावित इस मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा।

यह मैच रोड लेवर एरिना में खेला गया, जहां शुरुआत में छत खुली रखी गई थी। मेलबर्न में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की चेतावनी के बीच यह फैसला लिया गया। हालांकि, इसके बाद खेले गए पुरुष क्वार्टरफाइनल मुकाबले से पहले छत बंद कर दी गई। सबालेंका ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाते हुए मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि 29वीं वरीय जोविच ने हार नहीं मानी और नौवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। यह गेम करीब 10 मिनट तक चला, लेकिन सबालेंका ने संयम बनाए रखते हुए पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में

सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली और युवा अमेरिकी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। जोविच ने इस दौरान कुछ गैरजरूरी गलतियां भी कीं, जिसमें ब्रेक प्वाइंट पर किया गया डबल फॉल्ट अहम रहा। अंतिम गेम में सबालेंका ने ब्रेक प्वाइंट पर एक ऐस लगाया और फिर मैच प्वाइंट पर एक और ऐस के साथ मुकाबला खत्म कर दिया। उन्होंने पूरे मैच में पांचों ब्रेक प्वाइंट बचाए और कुल सात ऐस लगाए। 'पिछले कुछ राउंड में इन किशोर खिलाड़ियों ने मुझे काफी चुनौती दी है। स्कोरलाइन देखकर मत सोचिए कि मैच आसान था। उसने बेहतरीन टेनिस खेला और मुझे अपना स्तर और ऊपर उठाना पड़ा। 'सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब 2023 और 2024 में जीत चुकी हैं, जबकि पिछले साल उन्हें फाइनल में मैडिसन कीज़ से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार कीज़ पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। इवा जोविच कैलिफोर्निया में जन्मी हैं। उनके पिता सर्बिया और मां क्रोएशिया से हैं। उन्हें सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच से भी मार्गदर्शन मिलता रहा है। अब सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना कोको गॉफ और एलिना स्वितोलिना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में हरियाणा थंडर्स शीर्ष पर

एजेंसी

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 में हरियाणा थंडर्स की शानदार सफलता के पीछे कप्तान युई सुसाकी की दमदार अगुवाई सबसे बड़ी वजह बनकर उभरी है। जापान की स्टार पहलवान ने न सिर्फ मैट पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, बल्कि एक प्रेरक कप्तान के रूप में टीम को एकजुट रखते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान तक पहुंचाया है। तेज रफ्तार और लगातार मुकाबलों वाली इस लीग में सुसाकी ने नियमित प्रतिस्पर्धा की चुनौती को पूरी तरह अपनाया है। उनका मानना है कि लगातार मैच खेलने से लय बनी रहती है और इसका असर उनके प्रदर्शन में साफ दिखा है। सुसाकी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग मेरे लिए एक अच्छा अनुभव है क्योंकि इस लीग में मुझे कई बार मुकाबला लड़ने का मौका मिलता है।' मैट पर उनका अंदाज सटीक और प्रभावशाली रहा है। सीजन के एक

मुकाबले में उन्होंने एक मिनट से भी कम समय में जीत दर्ज कर अपनी ताकत और तकनीक का परिचय दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका फोकस व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता पर रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं इस लीग में खेलकर बहुत उत्साहित हूं। मैं अपनी टीम, मालिकों और कोच के लिए खेल रही हूं। यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हम सबके लिए है।' हरियाणा थंडर्स ने सीजन की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की थी। तीसरे मुकाबले में मिली हार के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए फिर से लय पकड़ी और तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस पूरे सफर में सुसाकी का शांत और संतुलित नेतृत्व टीम के लिए मजबूत सहारा बना रहा। टीम के माहौल को लेकर सुसाकी ने कहा, 'हमारी टीम बहुत मजबूत, खुशमिजाज और दोस्ताना है। हमारे बीच बेहतरीन तालमेल है, जो मैदान पर भी नजर आता है।' मैदान के बाहर भी युई सुसाकी भारत में अपने समय का भरपूर आनंद ले रही हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और खानपान की तारीफ करते हुए कहा, 'भारत में मेरा समय बहुत अच्छा बीत रहा है। मुझे भारतीय खाना बहुत पसंद है, खासकर करी।' जैसे-जैसे प्रो रेसलिंग लीग 2026 निर्णायक दौर की ओर बढ़ रही है, हरियाणा थंडर्स मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रही है। कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में टीम खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है।

मेन्स हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 : हैदराबाद तूफान्स ने कांस्य पदक पर किया कब्जा

एजेंसी

भुवनेश्वर। हैदराबाद तूफान्स ने मेन्स हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गए तीसरे/चौथे स्थान के मुकाबले में तूफान्स ने एचआईएल जीसी को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से शिकस्त दी। हैदराबाद की जीत के नायक अमनदीप लाकड़ा रहे, जिन्होंने 30वें और 53वें मिनट में दो अहम गोल दागे। उनके अलावा नीलकांत शर्मा (24') और जैकब एंडरसन (33') ने भी गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। वहीं एचआईएल जीसी की ओर से सैम वॉर्ड ने 14वें और 52वें मिनट में दो गोल किए, जबकि केन रसेल ने 55वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया। मैच की शुरुआत से ही हैदराबाद तूफान्स ने आक्रामक रुख अपनाया और पहले क्वार्टर में लगातार सर्कल एंट्री के जरिए दबाव बनाया। हालांकि पहला गोल एचआईएल जीसी ने सैम वॉर्ड के जरिए किया। इसके बाद तूफान्स ने शानदार वापसी करते हुए पहले हाफ के अंत तक 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ में जैकब एंडरसन के गोल से हैदराबाद ने बढ़त को और मजबूत किया। अंतिम क्वार्टर में एचआईएल जीसी ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन हैदराबाद की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने वे सफल नहीं हो सके। इस जीत के साथ हैदराबाद तूफान्स ने न सिर्फ कांस्य पदक जीता, बल्कि इस सीजन में एचआईएल जीसी के खिलाफ अपना विजयी रिकॉर्ड भी बरकरार रखा।

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल स्पेन में होगा: आरएफईएफ अध्यक्ष राफेल लूजान

एजेंसी

मैड्रिड। फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल मुकाबला स्पेन में खेला जाएगा। यह जानकारी रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के अध्यक्ष राफेल लूजान ने दी। हालांकि फीफा ने अभी तक आधिकारिक तौर पर फाइनल के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की है। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को संयुक्त रूप से 2030 विश्व कप की मेजबानी करेंगे, लेकिन फाइनल मैच को लेकर लंबे समय से अटकलें चल रही थीं। मीडिया से बातचीत के दौरान राफेल लूजान ने साफ शब्दों में कहा, 'स्पेन विश्व कप की अगुवाई करेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा। 'स्पेनिश मीडिया में लंबे समय से रियल मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम को फाइनल के संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में इस स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया है और यह

बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार माना जाता है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि मोरक्को फाइनल की मेजबानी कर सकता है। मोरक्को की योजना निर्माणाधीन हसन द्वितीय स्टेडियम में फाइनल कराने की थी। यह स्टेडियम 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है और इसकी प्रस्तावित क्षमता 1,15,000 दर्शकों की होगी, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल स्टेडियम बना देगा। लेकिन इसी महीने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल के दौरान हुई अव्यवस्थाओं ने मोरक्को की छवि को नुकसान पहुंचाया, जिससे विश्व कप फाइनल की मेजबानी की उसकी संभावनाएं कमजोर पड़ गईं। इसके अलावा बार्सिलोना का कैंप नोउ स्टेडियम भी हाल ही में रेनोवेशन के दौर से गुजरा है और वह भी फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर सकता है। गौरतलब है कि 2030 फीफा विश्व कप खास होगा, क्योंकि यह टूर्नामेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मनाएगा। इसी अवसर पर लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे भी एक-एक मुकाबले की मेजबानी करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए शाई होप बने वेस्टइंडीज के कप्तान, इविन लुईस बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस बार टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज शाई होप को सौंपी गई है। चयनित स्क्वॉड हाल ही में यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने वाली टीम से काफी अलग नजर आ रही है। टॉप ऑर्डर में जॉनसन चार्ल्स, शिमरॉन हेटमायर और ब्रैंडन किंग ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्हें पिछली सीरीज से बरकरार रखा गया है। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण में ज्यादा बदलाव नहीं किए गए हैं। गुयाना के आक्रामक बल्लेबाज क्वेंटिन सैंपसन को सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बावजूद शामिल किया गया है, जिन्हें उनके कैरेबियन प्रीमियर लीग के शानदार फॉर्म का फायदा मिला। ऑलराउंडर रोस्टन चेज, अकील होसैन और शरफेन रदरफोर्ड

की वापसी हुई है, जबकि पूर्व कप्तान जेसन होल्डर और रोवमैन पॉवेल को भी टीम में फिर से जगह मिली है। चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज शमार जोसेफ भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। हालांकि बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज इविन लुईस को खराब फॉर्म के चलते बाहर कर दिया गया है, जबकि अल्जारी जोसेफ चोट के कारण चयन से चूक गए।

वेस्टइंडीज को ग्रुप-सी में स्कॉटलैंड, इंग्लैंड, नेपाल और इटली के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेगी।

वेस्टइंडीज टीम :

शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमार जोसफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन सैम्पसन, जेडन सील्स और रोमारियो शेफर्ड।

रणजी ट्रॉफी में केएल राहुल की वापसी, देवदत्त पडिक्कल होंगे कर्नाटक के कप्तान

एजेंसी

मोहाली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज़ केएल राहुल की कर्नाटक टीम में वापसी हो गई है। उन्हें पंजाब के खिलाफ होने वाले आगामी रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए कर्नाटक की टीम में शामिल किया गया है। यह मैच 29 जनवरी से मोहाली में खेला जाएगा। इस अहम मुकाबले में कर्नाटक टीम की कमान देवदत्त पडिक्कल के हाथों में होगी। राहुल की वापसी से टीम की बल्लेबाज़ी को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा तेज गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा भी टीम का हिस्सा हैं, जिससे कर्नाटक के पेस अटैक को अतिरिक्त धार मिलेगी। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज़ करुण नायर इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जिससे टीम के मिडिल ऑर्डर को झटका लगा है। यह मुकाबला ग्रुप बी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां नॉकआउट चरण की दो जगहों के लिए चार टीमों के बीच कड़ा मुकाबला चल रहा है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और सौराष्ट्र अभी भी क्वार्टरफाइनल की दौड़ में बने हुए हैं। ग्रुप बी में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच होने वाला मुकाबला दोनों टीमों के लिए लगभग नॉकआउट जैसा होगा, जबकि सौराष्ट्र का सामना चंडीगढ़ से होगा। ऐसे में कर्नाटक के लिए पंजाब के खिलाफ जीत बेहद जरूरी हो गई है।

एचआईएल चैंपियन बनने पर बोले कोच जय स्टेसी-यह खिताब टीम की स्पष्ट रणनीति का शानदार उदाहरण

एजेंसी

भुवनेश्वर। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में लांसर्स ने रांची रॉयल्स को 3-2 से हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। यह खिताबी सफर पूरे सीजन में निरंतरता, अनुशासन और टीम की स्पष्ट रणनीति का शानदार उदाहरण रहा। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था और इसके बाद क्वालिफायर-1 व फाइनल दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज कर दबाव के क्षणों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। लांसर्स की सफलता की नींव उनकी मजबूत रक्षात्मक रणनीति रही। पूरी प्रतियोगिता में टीम ने सिर्फ 11 गोल गंवाए, जो लीग में सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक रिकॉर्ड रहा। पेनल्टी कॉर्नर पर भी टीम का प्रदर्शन निर्णायक साबित हुआ, जहां 31.8 प्रतिशत की कन्वर्ज़न रेट के साथ लांसर्स सबसे आगे रहे। बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने नौ मैचों में 12 गोल दागकर फ्रेंचाइज़ी के लिए सर्वाधिक गोल किए और अहम मौकों पर टीम को बढ़त दिलाई। खिताबी जीत पर मुख्य कोच जय स्टेसी ने कहा, 'इस समूह ने प्रतियोगिता के दौरान सीखने, खुद को ढालने और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता दिखाई। कुछ मैचों में हमें गेंद पर नियंत्रण रखना पड़ा, कुछ में लंबे समय तक दबाव झेलना पड़ा और कई मौकों पर गहराई में जाकर डिफेंस करना सही फैसला रहा।' स्टेसी ने आगे जोड़ा, 'सबसे ज्यादा खुशी इस बात की रही कि टीम में ईमानदारी थी। खिलाड़ियों ने समझा कि हर भूमिका मायने रखती है और बिना गेंद के अनुशासन, गेंद के साथ रचनात्मकता जितना ही जरूरी है। यह खिताब हफ्तों में बनी आदतों का नतीजा है, न कि सिर्फ फाइनल के एक प्रदर्शन का।' खिताब पर प्रतिक्रिया देते हुए वेदांता एल्युमिनियम के सीईओ राजीव कुमार ने कहा, 'यह चैंपियनशिप एक स्पष्ट विज़न और निरंतर क्रियान्वयन का परिणाम है। सीजन की शुरुआत से ही हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनाना था, जो लगातार प्रदर्शन कर सके। खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफलता के पीछे मेहनत करने वाले सभी लोगों को इसका श्रेय जाता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए केवल नतीजा ही नहीं, बल्कि जिस तरह से टीम ने पूरे अभियान में खुद को प्रस्तुत किया, वह भी खास रहा। जवाबदेही, जुझारूपन और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना साफ दिखाई दी। भुवनेश्वर में अपने घरेलू मैदान पर, समर्थकों के सामने हीरो एचआईएल खिताब जीतना इस पल को और भी यादगार बनाता है।' टीम के कप्तान आर्थर वान डोरेन ने निर्णायक मुकाबलों में टीम की मानसिक मजबूती को अहम बताया। उन्होंने कहा, 'नॉकआउट मैचों में छोटे पल ही नतीजे तय करते हैं और हमने उन पलों को बेहतर तरीके से संभाला। जब मुकाबले अव्यवस्थित हुए, तब भी हम शांत रहे, सीजन भर तैयार की गई संरचना पर भरोसा रखा और लगातार संवाद बनाए रखा।' अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने भी टीम प्रयास को सफलता का आधार बताया। उन्होंने कहा, 'मैं खुश हूं कि जरूरत के समय टीम के लिए योगदान दे सका, लेकिन यह सब पूरे समूह की मेहनत के बिना संभव नहीं था। पेनल्टी कॉर्नर जीतने से लेकर दबाव बनाने तक, हर चीज टीम के सामूहिक कामकाज से शुरू होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हफ्तों की मेहनत के बाद हीरो एचआईएल जीतना एक शानदार अहसास है। सीजन की शुरुआत से हमारा लक्ष्य साफ था और हम उसी पर डटे रहे। घरेलू दर्शकों के सामने चैंपियन बनना और इस टीम के साथ उस पल को साझा करना वाकई खास है।' वेदांता कलिंगा लांसर्स ने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद क्वालिफायर-1 और फाइनल दोनों मुकाबले जीतकर पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन का समापन चैंपियन के रूप में किया।

हम सिर्फ विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन के साथ विकास के लिए तत्पर हैं: हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि हम सिर्फ विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन के साथ विकास के लिए तत्पर हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) की परिवहन बटालियन, बेहलाना कैंप, चंडीगढ़ में आयोजित 18वां मिशन रिक्रूटमेंट (रोजगार मेला) के अवसर पर यह बात कही। हरदीप सिंह पुरी ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति में चयनित कुल 107 उम्मीदवारों को उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे। इस पहल की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रोजगार मेला शुरू होने के बाद से देशभर में 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं, जो मिशन-आधारित भर्ती के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चंडीगढ़ में की गई नियुक्तियां मात्र औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि भारत के प्रशासनिक और सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के सतत प्रयास का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री ने इंडिया एनर्जी वीक 2026 का किया उद्घाटन, कहा - ऊर्जा क्षेत्र में भारत बनेगा ग्लोबल हब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडिया एनर्जी वीक 2026 के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया और कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत का ऊर्जा क्षेत्र देश की आकांक्षाओं के केंद्र में है और इसमें 500 अरब डॉलर तक के निवेश के अवसर मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने वैश्विक निवेशकों से 'मेक इन इंडिया, इनोवेट इन इंडिया, स्केल विद इंडिया और इन्वेस्ट इन इंडिया' का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने इस दशक के अंत तक तेल और गैस क्षेत्र में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और सतत भविष्य के लिए भारत वैश्विक साझेदारियों का स्वागत करता है। इंडिया एनर्जी वीक के इस नए संस्करण में गोवा में दुनिया के करीब सवा सौ देशों के प्रतिनिधि एकत्र हुए हैं। प्रधानमंत्री ने सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ऊर्जा क्षेत्र में संवाद और ठोस कार्रवाई के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक मंच के रूप में तेजी से उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और ऊर्जा उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही, भारत वैश्विक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि भारत आज पेट्रोलियम उत्पादों के शीर्ष निर्यातकों में शामिल है और 150 से अधिक देशों तक निर्यात करता है।

कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में चार फीसदी बढ़कर 3,446 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर यानी तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा लाभ 4 फीसदी बढ़कर 3,446 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 3,305 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 16,741 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 16,050 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी 13,428 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,903 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मुंबई स्थित बैंक ने बताया कि इस दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) बढ़कर 7,565 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 7,196 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के 4.93 फीसदी से गिरकर 4.54 फीसदी रह गया। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक के सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) अनुपात में सुधार हुआ है। यह 31 दिसंबर, 2025 तक घटकर 1.30 फीसदी रह गया, जो पिछले साल 1.50 फीसदी था। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए भी 0.41 फीसदी से घटकर 0.31 फीसदी पर आ गया है। हालांकि, दिसंबर तिमाही में बैंक का संभावित ऋण नुकसान के लिए 'प्रावधान' बढ़कर 810 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 794 करोड़ रुपये था।

केंद्रीय बजट के विकसित भारत के विजन के अनुरूप होने की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी को संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करेंगी। सीतारमण के कार्यकाल का नौवां और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 3.0 सरकार का तीसरा पूर्ण बजट होगा। यह बजट 'विकसित भारत 2047' के विजन के साथ लंबी अवधि के विकास, राजकोषीय स्थिरता, बुनियादी ढांचे और डिजिटल विकास पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जिसमें आम जनता के लिए कर राहत और कृषि-केंद्रित उपायों पर विशेष जोर दिए जाने की संभावना है। केंद्रीय बजट 01 फरवरी, रविवार को सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश होगा। इस बार संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। 29 जनवरी को संसद में आर्थिक सवेक्षण 2025-26 पेश किया जाएगा। आयकर में बदलावः करदाताओं को इस बार के बजट से नई आयकर प्रणाली में बदलाव, मानक कटौती में वृद्धि और मध्यम वर्ग के लिए टैक्स राहत की उम्मीद है।

नए शिखर पर सोना और चांदी, 1.62 लाख तक पहुंची सोने की कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी ने एक बार फिर नए शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। सोना आज 1,570 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी ने 25,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार छलांग लगाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी 113.46 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया है, जिसका प्रत्यक्ष असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत पर पड़ा है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रुपये से लेकर 1,62,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,460 रुपये से लेकर 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण

दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीकानेर में एसजेवीएन की 1000 मेगावाट सौर परियोजना पूरी तरह चालू, 500 मेगावाट बिजली राजस्थान को

एजेंसी

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की 1,000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, जिसकी कुल लागत 5,492 करोड़ रुपये है, पूरी तरह से चालू हो गई है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना से उत्पादित कुल बिजली में से 500 मेगावाट बिजली राजस्थान को प्राप्त होगी, जबकि शेष 500 मेगावाट बिजली राज्य से बाहर भेजी जाएगी। इसमें 300 मेगावाट बिजली जम्मू-कश्मीर और 200 मेगावाट बिजली उत्तराखंड को आपूर्ति की जाएगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव के अनुसार, यह परियोजना न केवल राजस्थान की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को मजबूत करेगी, बल्कि

अंतरराज्यीय बिजली आपूर्ति को भी सुदृढ़ बनाएगी। साथ ही यह राज्य और देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की प्राप्ति में अहम भूमिका निभाएगी।

भारत, ईयू महत्वाकांक्षी, आपसी फायदे वाले एफटीए के लिए प्रतिबद्धः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) दोनों तरफ के बिजनेस और लोगों की समृद्धि के लिए एक आपसी फायदे वाले और लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर लिखा है, 'हम अपने व्यवसायों और लोगों की समृद्धि के लिए एक परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी भारत-ईयू एफटीए के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं।' उन्?होंने यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच का स्वागत करते हुए कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में हमारे और हमारी टीमों के बीच निरंतर और रचनात्मक

जुड़ाव हमें एक फलदायी परिणाम के करीब ले आया है।' वहीं, अन्य अधिकारियों के साथ भारत आए मारोस सेफकोविच ने कहा कि मंत्री गोयल के साथ यह उनकी व्यक्तिगत रूप से 10वीं मुलाकात होगी। उन्होंने 'एक?स' पोसट पर लिखा, 'मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम अपनी एफटीए वार्ता के समापन के करीब हैं। सेफकोविच ने पिछला एक साल बहुत गहन रहा है, संभवतः मेरा सबसे व्यस्त व्यापारिक जुड़ाव, जो इसके महत्व को दर्शाता है।'

वित्त मंत्रालय के नौकरशाहों की अनुभवी टीम बना रही केंद्रीय बजट, तैयारियां अंतिम चरण में

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी को लोकसभा में अपना लगातार नौवां बजट पेश करने की तैयारी कर रही हैं। इस काम में वित्त मंत्रालय के नौकरशाहों की एक अनुभवी टीम उनकी सहायता कर रही है। वित्त मंत्रालय के छह विभागों के सचिव और मुख्य आर्थिक सलाहकार इस बजट निर्माण प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे रहे हैं। मोदी 3.0 सरकार के इस तीसरे पूर्ण बजट की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी की विकास दर दर्ज कर रही है, लेकिन साथ ही वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण अनिश्चित बना हुआ है। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का तीसरा पूर्ण बजट होगा। केंद्रीय बजट तैयार करने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी अहम भूमिका है। इसके साथ ही वित्त मंत्रालय में अनुभवी नौकरशाहों की एक टीम भी वित्त मंत्री को इस अहम वित्तीय दस्तावेज को अंतिम रूप देने में सहायता कर रही है। वित्त मंत्री की ये टीम राजकोषीय अनुशासन, राजस्व जुटाने और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 1. अनुराधा ठाकुर, आर्थिक मामलों की सचिव :- ठाकुर केंद्रीय बजट की मुख्य वास्तुकार हैं। विभाग के प्रमुख के रूप में वह संसाधनों के आवंटन और 2026-27 के लिए व्यापक आर्थिक ढांचे को तय करने वाली प्रमुख अधिकारी हैं। वह बजट प्रभाग का नेतृत्व करती हैं, जो बजट दस्तावेजों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। हिमाचल प्रदेश कैडर की 1994 बैच की आईएएस अधिकारी ठाकुर का यह पहला बजट होगा, क्योंकि उन्होंने एक जुलाई, 2025 को इस विभाग की कमान संभाली थी। वह इस विभाग का नेतृत्व करने वाली पहली महिला आईएएस अधिकारी हैं।

2. अरविंद श्रीवास्तव, राजस्व सचिवः-श्रीवास्तव कर प्रस्तावों (बजट भाषण का भाग-बी) के लिए जिम्मेदार हैं। उनकी टीम आयकर, कॉर्पोरेट कर (प्रत्यक्ष कर) और जीएसटी, सीमा शुल्क (अप्रत्यक्ष कर) का प्रबंधन करती है। हालांकि, राजस्व सचिव के रूप में यह उनका पहला बजट होगा, लेकिन अरविंद श्रीवास्तव वित्त मंत्रालय में अपने पिछले कार्यकाल में बजट प्रभाग के संयुक्त सचिव रह चुके हैं। इसके बाद, वह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) चले गए थे, जहां उन्होंने अन्य मामलों के साथ वित्त मंत्रालय से जुड़े कार्यों को देखा। सीमा शुल्क और टीडीएस युक्तिकरण की उम्मीदों के बीच, राजस्व जुटाने में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

नए लुक और हाई-टेक फीचर्स के साथ भारत में लौटी रेनो डस्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। करीब तीन साल के अंतराल के बाद रेनो ने भारतीय बाजार में डस्टर की दमदार वापसी कर ली है। कंपनी ने थर्ड जेनरेशन Renault Duster को पेश किया है, जो इंटरनेशनल मॉडल पर आधारित है और पहले से ज्यादा मॉडर्न, टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली और पावरफुल नजर आती है। साल 2022 में पहली जेनरेशन डस्टर के बंद होने के बाद स्ड्क सेगमेंट में इसका इंतजार किया जा रहा था। अब नए अवतार में आई डस्टर से मिड-साइज SUV कैटेगरी में एक बार फिर मुकाबला तेज होने की उम्मीद है। नई Renault Duster का केबिन पहले की पहचान को बनाए रखते हुए ज्यादा प्रीमियम और फंक्शनल बनाया गया है। इसका डैशबोर्ड बॉक्सी एक्सटीरियर डिजाइन के अनुरूप है, जो स्ड्क को मजबूत कैरेक्टर देता है। इसमें बड़ा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जिससे ड्राइविंग एक्सपीरियंस ज्यादा स्मार्ट हो जाता है। वायरलेस चार्जिंग, एंबिएंट लाइटिंग और

पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स इसे सेगमेंट में आधुनिक बनाते हैं। आराम के लिहाज से डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट दी गई है। सेफ्टी के लिए 360 डिग्री कैमरा और एडवांस ड्राइवर असिस्ट सिस्टम मौजूद है, जबकि बड़ा बूट स्पेस इसे फैमिली और लॉन्ग ट्रिप्स के लिए उपयोगी बनाता है।

इंजन ऑप्शन और परफॉर्मेंस

रेनो ने नई डस्टर को अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई इंजन विकल्पों के साथ उतारा है। इसमें टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो बेहतर पावर और स्मूद ड्राइविंग का दावा करता है। इसके अलावा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड टेक्नोलॉजी वाला इंजन भी उपलब्ध है, जिसे खास तौर पर बेहतर माइलेज और शहर की ड्राइविंग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एंट्री-लेवल पेट्रोल इंजन उन ग्राहकों के लिए है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए संतुलित परफॉर्मेंस चाहते हैं। ऊंचा ग्राउंड क्लीयरेंस इसे खराब सड़कों और हल्के ऑफ-रोड कंडीशन के लिए भी उपयुक्त बनाता है।

डिजाइन के मामले में नई Duster अपने पुराने बॉक्सी स्टाइल को बरकरार रखती है, लेकिन इसमें नए एलईडी हेडलैंप, कनेक्टेड टेललैंप और ज्यादा मजबूत बंपर जैसे एलिमेंट्स जोड़े गए हैं। SUV की प्री-बुकिंग भारत में शुरू हो चुकी है और कंपनी ने लॉन्च टाइमलाइन भी साफ कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि इसकी बिक्री जल्द शुरू होगी और शुरुआती वेरिएंट्स की डिलीवरी तय समय में दी जाएगी। इसके साथ दी जा रही लंबी वारंटी ग्राहकों के लिए भरोसे का एक अतिरिक्त पहलू मानी जा रही है।

टॉप 10 में शामिल 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.51 लाख करोड़ की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के दौरान वैश्विक दबाव के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में 2.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में से सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 2,51,711.60 करोड़ रुपये की कमी हो गई। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 12,311.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 19 से 23 जनवरी 2026 के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 96,960.17 करोड़ रुपये फिसल कर 18,75,533.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 48,644.99 करोड़ रुपये लुढ़क कर 9,60,825.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 22,923.02 करोड़ रुपये घट कर 14,09,611.89 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 17,533.97 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 11,32,010.46 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 16,588.93 करोड़ रुपये घट कर 11,43,623.19 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 15,248.32 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,15,161.91 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,093.93 करोड़ रुपये कम होकर 5,77,353.23 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,907.50 करोड़ रुपये फिसल कर 9,50,199.77 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 7,810.77 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 6,94,078.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सरकार 'सशक्त, समृद्ध भारत' की नींव रख रही हैः डॉ. मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 'सशक्त, समृद्ध भारत' की नींव रख रही है। डॉ. मांडविया ने यहां पीएम-एसवाईएम लाभार्थियों से बातचीत के दौरान यह बात कही।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि डॉ. मनसुख मांडविया ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) योजना के लाभार्थियों से बातचीत की। मंत्रालय के मुताबिक असंगठित क्षेत्र में उनके योगदान और इस प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना से उनके जुड़ाव को देखते हुए देशभर से 100 से ज्यादा लाभार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। भारत सरकार की ओर से लाभार्थियों का स्वागत करते हुए श्रम और रोजगार मंत्री ने कहा कि ये निमंत्रण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर भेजा गया है, जो नागरिक-केंद्रित शासन और समावेशी विकास के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। उनको संबोधित करते हुए मंत्री जी ने असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के सरकार के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं और उम्मीदों को समझने के लिए शासन को जनता के करीब रहना चाहिए।

गणतंत्र दिवस समारोह का जिक्र करते हुए मंत्री ने राजपथ के कर्तव्यपथ में परिवर्तन के प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला, जो भारत के विकसित होते लोकतांत्रिक मूल्यों और सामूहिक कर्तव्यबोध को दिखाता है। उन्होंने सरकार की प्रमुख कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त अनाज वितरण, बिजली और एलपीजी कनेक्शन की बढ़ती पहुंच, किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये उपाय 'सशक्त, समृद्ध भारत' की नींव रख रहे हैं।लाभार्थियों ने पीएम-एसवाईएम योजना के अंतर्गत नामांकन कराने के अपने अनुभव साझा किए और बताया कि सुनिश्चित पेंशन से उन्हें भविष्य को लेकर सुरक्षा का एहसास हुआ है। लाभार्थियों ने दिल्ली आमंत्रित करने और गणतंत्र दिवस परेड देखने का अवसर देने के लिए सरकार के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उनका यह भरोसा और मजबूत हुआ कि सरकार उनकी चुनौतियों और उम्मीदों को समझती है। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) योजना को 2019 में शुरू किया गया था, यह असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये तक है और जो ईपीएफओ, ईएसआईसी या राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत नहीं आते हैं, उसके लिए एक स्वैच्छिक और सहायक पेंशन योजना है। 18 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के पात्र श्रमिक एक छोटी मासिक किस्त जमा करके इस योजना में नामांकन करा सकते हैं, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से समान राशि का योगदान दिया जाएगा।

शेयर बाजार में अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की छुट्टी के बाद जनवरी से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से कोई भी आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का नहीं है। सभी पांच आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन नई लॉन्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह 27 जनवरी तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली है। कस्तूरी मेटल कंपोजिट का 17.61 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 29 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 61 रुपये से लेकर 64 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 3 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 28 जनवरी को कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया का 29.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए 73 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन एमसेफ इक्विपमेंट्स का 66.42 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 116 रुपये से लेकर 123 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। एक्रेशन न्यूट्रावेदा का 24.77 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 28 जनवरी को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 122 रुपये से लेकर 129 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो बाजार, जापान को पीछे छोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में भारत ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बनने का गौरव प्राप्त किया है। यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड 45.5 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो वर्ष 2024 की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, ऑटोमोबाइल निर्यात में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 24 प्रतिशत उछलकर 63 लाख यूनिट तक पहुंच गया। देश में कुल वाहन उत्पादन सालाना 2.8 से 3 करोड़ यूनिट के स्तर पर पहुंच चुका है। इस तेजी के पीछे राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और केंद्र सरकार की नीतियों की अहम भूमिका मानी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई इथेनॉल ब्लेंडिंग, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को बढ़ावा देने वाली योजनाएं और निवेश-अनुकूल नीतियों ने ऑटो उद्योग को नई रफ्तार दी है। इस उपलब्धि को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक उत्साह देखने को मिल रहा है। कई यूजर्स इसे भारत की आर्थिक मजबूती का प्रतीक बता रहे हैं। वहीं, यह उपलब्धि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'डेड इकॉनमी' जैसे बयानों और आलोचनात्मक टिप्पणियों का भी जवाब मानी जा रही है, जिस पर सोशल मीडिया में मीम्स और चर्चाएं तेज हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ कस्तूरी मेटल का आईपीओ , तीन फरवरी को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टील फाइबर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड का 17.61 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 61 रुपये से लेकर 64 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट में चार हजार शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.52 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले यानी पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 23 जनवरी को कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड ने चार एंकर इनवेस्टर्स से पांच करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में एलआरएसडी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, टाइगर स्ट्रेटजिक फंड और इनोवेटिव विजन फंड जैसे प्रमुख नाम एंकर बुक में शामिल हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.28 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.32 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.35 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 2.07 करोड़ रुपये रह गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक की अवधि में कंपनी को 2.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 37.37 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 50.20 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 57.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक की अवधि में कंपनी को 32.29 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 9.78 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 11.83 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 13.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 14.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 6.24 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.28 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस मामूली गिरावट के साथ 10.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक ये 12.55 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

बांग्लादेश में डक्सू नेता का वीडियो वायरल, नाबालिग लड़कों से कराई उठक-बैठक

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में ढाका यूनिवर्सिटी सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन (डक्सू) के कार्यकारी सदस्य सरबा मित्रा चकमा का नाबालिग लड़कों को सरेआम सजा देते हुए एक वायरल वीडियो सामने आया है। इससे परिसर में 'विजिलेंटे' (खुद कानून हाथ में लेने) की बढ़ती संस्कृति पर फिर से सवाल उठ रहे हैं। यह वीडियो क्लिप 06 जनवरी को शाम 4:44 बजे ढाका यूनिवर्सिटी के सेंट्रल खेल के मैदान में रिकॉर्ड की गई है। इसमें सरबा मित्रा चकमा कई बच्चों को कान पकड़कर बार-बार उठक-बैठक करने का आदेश देते दिख रहे हैं। उठक-बैठक बांग्लादेश के कानून के तहत प्रतिबंधित है।ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप में मित्रा को बच्चों के पास हाथ में छड़ी लिए हुए भी देखा जा सकता है। बाद में इसी घटना के दो और वीडियो सामने आए। इनमें सजा दोहराई जा रही थी। एक और क्लिप में बच्चों के एक और समूह को भी इसी तरह की सजा दी जा रही थी। इन क्लिप के वायरल होने पर मित्रा के खिलाफ सोशल मीडिया में गुस्सा फैल गया। कई लोगों ने सरबा मित्रा पर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल करने, बच्चों को अपमानित करने और कानून को अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया।

अमेरिका में भीषण शीतकालीन तूफान का कहर, कम से कम 15 लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के बड़े हिस्से में सप्ताहांत के दौरान आए शक्तिशाली शीतकालीन तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बर्फबारी, बर्फीली हवाओं और रिकॉर्ड तोड़ ठंड के चलते अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि देश के कई राज्यों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। टेक्सास के फ्रिस्को में स्लेजिंग दुर्घटना में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, वहीं ऑस्टिन क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हाइपोथर्मिया से मौत पाई गई। लुइसियाना में दो लोगों की जान गई है। अर्कांसस में 17 वर्षीय लड़के की स्लेजिंग हादसे में मौत हुई, जबकि नॉर्थ कैरोलिना में एक व्यक्ति का शव हाईवे पर मिला। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने बताया कि शहर में सप्ताहांत के दौरान पांच लोग खुले में मृत पाए गए। कंसास में एक महिला की ठंड से मौत हुई, जो बर्फ से ढकी मिली। मैसाचुसेट्स में स्नो प्लाउ की चपेट में आने से एक महिला की जान गई, जबकि टेनेसी में मौसम से जुड़ी तीन मौतें दर्ज की गईं।

आरएसपी नेता बालेंद्र शाह के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह 'बालेन' के खिलाफ चुनाव आचार संहिता और मौजूदा कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत धर्मराज तिमल्सिना द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शाह ने लोकतांत्रिक चुनावी मानकों के विरुद्ध घृणास्पद, भ्रामक और मानहानिकारक टिप्पणियां की हैं। यह शिकायत कुछ दिन पहले शाह द्वारा सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस नेता गगन कुमार थापा को लक्षित कर दिए गए बयानों से संबंधित है। ये टिप्पणियां चुनाव के बाद संभावित प्रधानमंत्री उम्मीदवारों के बीच सार्वजनिक बहस कराने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आई थीं। ओली द्वारा सार्वजनिक बहस के लिए तैयार होने की बात कहे जाने के बाद, शाह ने ओली और थापा के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें शिकायतकर्ता ने असहिष्णु और भड़काऊ बताया है। निर्वाचन आयोग ने अबतक इस शिकायत पर कोई सार्वजनिक निर्णय नहीं लिया है।

सिसिली में भूस्खलन से हड़कंप, 1000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया

रोम। इटली के सिसिली द्वीप में तेज तूफान और लगातार बारिश के बाद हुए बड़े भूस्खलन से हालात गंभीर हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक पहाड़ी इलाके में लगभग चार किलोमीटर लंबा चट्टानी हिस्सा ढह जाने के बाद एहतियातन 1,000 से अधिक लोगों को उनके घरों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। यह भूस्खलन 25 जनवरी को दक्षिणी सिसिली के निसेमी कस्बे में हुआ। लगातार बारिश के कारण जमीन अब भी खिसक रही है, जिससे स्थिति और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। निसेमी के मेयर मास्सिमिलियानो कॉन्टी ने बताया कि कई और हिस्सों में भी चट्टानों के टूटने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

घटना के बाद राहत की बात यह रही कि अब तक किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, कई मकान खतरनाक ढंग से चट्टानों के किनारे लटकते नजर आ रहे हैं। स्थानीय वीडियो फुटेज में एक और इमारत को ढहते हुए देखा गया, जबकि पास खड़ी एक कार का अगला हिस्सा हवा में लटका हुआ था और उसके टायर खाई के ऊपर दिखाई दिए। भूस्खलन के मलबे से कस्बे को जोड़ने वाली मुख्य सड़क भी बंद हो गई है। मेयर ने बताया कि पुलिस, अग्निशमन विभाग और सिविल प्रोटेक्शन टीमें मिलकर हालात का जायजा ले रही हैं। सुरक्षा कारणों से 26 जनवरी को स्कूल भी बंद रखे गए। इटली की सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी ने बताया कि भूस्खलन स्थल के चार किलोमीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। करीब 27,000 की आबादी वाला निसेमी शहर, दक्षिणी तटीय शहर जेला से लगभग 28 किलोमीटर अंदर स्थित है। गौरतलब है कि बीते सप्ताह सिसिली के तटीय इलाकों में आए 'स्टॉर्म हैरी' ने भारी तबाही मचाई थी।

अमेरिका ने गाजा से इजरायली बंधकों की वापसी और शांति प्रयासों की सराहना की

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने गाजा से इजरायली बंधकों की वापसी और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय तंत्र के गठन को मिडिल ईस्ट में विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि बताया है। डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र करते हुए प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने गाजा से बंधकों के आखिरी बचे हुए शव की वापसी सुनिश्चित करने में मदद की है। व्हाइट हाउस की ब्रीफिंग में बोलते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह घटनाक्रम न सिर्फ इजराइल के लिए, बल्कि व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यह राष्ट्रपति, अमेरिका, हमारे सहयोगियों और मिडिल ईस्ट में शांति के लिए बहुत अच्छी खबर है।' उन्होंने आगे कहा कि 20 से ज्यादा देशों ने गाजा के पुनर्निर्माण पर केंद्रित एक नए स्थापित 'बोर्ड ऑफ पीस'

पर हस्ताक्षर किए हैं। लेविट के अनुसार, यह पहल महीनों के तीव्र संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण में सहायता के लिए एक समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास है। प्रेस सेक्रेटरी ने 'बोर्ड ऑफ पीस' के गठन को भी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने निरंतर कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से असंभव को संभव कर दिखाया है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप व्यक्तिगत रूप से मिडिल ईस्ट शांति प्रयासों को लेकर व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध हैं। वे गाजा को स्थिर करने व हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ लगातार संवाद कर रहे हैं।

गाजा संघर्ष मिडिल ईस्ट में सबसे अस्थिर और बारीकी से देखे जाने वाले संकटों में से एक रहा है, जिसमें मानवीय मुद्दे, क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिम और वैश्विक कूटनीति जटिल तरीकों से आपस में जुड़े हुए हैं। बंधकों की रिहाई और पुनर्निर्माण शुरू करने के प्रयास संघर्ष के बाद की चर्चाओं के केंद्र में रहे हैं।

भारत और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर नजर रखने वाले अन्य देशों के लिए गाजा के पुनर्निर्माण और क्षेत्रीय कूटनीति में अमेरिका की बदलती भूमिका को व्यापक मिडिल ईस्ट स्थिरता और भविष्य की शांति पहलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ग्रीस में 430,000 वर्ष पुराने लकड़ी के औजार मिले

एजेंसी

न्यूयॉर्क। ग्रीस में एक झील के किनारे मिलीं दो चीजें अब तक मिले सबसे पुराने लकड़ी के औजार हैं। यह 430,000 साल पुराने बताए जा रहे हैं। इनमें से एक लगभग 2 1/2 फीट (80 सेंटीमीटर) लंबी पतली छड़ी है। इसका इस्तेमाल शायद कीचड़ में खोदने के लिए किया जाता रहा होगा। अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की आधिकारिक वैज्ञानिक पत्रिका प्रोसीडिंग्स में प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार, दूसरी चीज विलो या पॉपुलर की लकड़ी का एक छोटा, ज्यादा रहस्यमयी हाथ में पकड़ने वाला टुकड़ा है। इसका इस्तेमाल शायद पत्थर के औजारों को आकार देने के लिए किया जाता रहा होगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि पुराने समय में इंसान पत्थर, हड्डी और लकड़ी से बने कई तरह के औजारों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन आज लकड़ी के औजारों के सबूत मिलना बहुत मुश्किल है क्योंकि लकड़ी बहुत जल्दी सड़ जाती है। ऐसे औजार सिर्फ खास वातावरण में ही सुरक्षित रहते हैं, जैसे बर्फ, गुफाओं या पानी के अंदर। ग्रीस के मेगालोपोलिस बेसिन में मिले ये नए औजार शायद तलछट से जल्दी दब गए और समय के साथ गीले माहौल में सुरक्षित रहे। इस जगह पर पहले भी अवशेष मिले हैं, जिनमें पत्थर के औजार और हाथी की हड्डियां शामिल हैं।

इंग्लैंड की रीडिंग यूनिवर्सिटी की पेलियोलिथिक आर्कियोलॉजिस्ट एनेमीके मिल्क्स कहती हैं कि हमारी टीम अविश्वसनीय रूप से खुशकिस्मत रही कि उसे ऐसी चीजें मिलीं। वह कहती हैं कि लकड़ी आमतौर पर जल्दी सड़ जाती है, लेकिन यह ग्रीस के पेलोपोनीज प्रायद्वीप में एक पुरानी जगह पर सुरक्षित थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जब ये चीजें बनाई गई थीं, तब वहां की जमीन में बहुत ज्यादा पानी भरा हुआ था।

रूस-यूक्रेन शांति प्रयासों में लगे हुए हैं ट्रंप :व्हाइट हाउस

एजेंसी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने की कोशिशों में लगातार जुड़े हुए हैं। हालांकि, इस समय रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी कोई सीधी फोन बातचीत तय नहीं है। व्हाइट हाउस की नियमित प्रेस वार्ता में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति कूटनीतिक प्रयासों पर नजर बनाए हुए हैं और बातचीत के जरिए इस युद्ध का समाधान निकालने की दिशा में काम जारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इस पूरे मामले में गंभीर रूप से शामिल हैं और उनके सलाहकार उन्हें हर नए घटनाक्रम की जानकारी देते रहते हैं। कैरोलिन लेविट ने साफ किया कि फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन के बीच किसी फोन कॉल का कार्यक्रम तय नहीं है। उन्होंने कहा कि इस हफ्ते ऐसी किसी बातचीत की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका की कूटनीतिक कोशिशें लगातार जारी हैं।

उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने दूसरे देशों के साथ मिलकर कई स्तरों पर बातचीत की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है कि वे दोनों पक्षों को बातचीत की मेज तक लाने के लिए लगातार संपर्क बनाए रखें। प्रेस सचिव ने यह भी कहा कि अमेरिका के विशेष दूतों की हालिया बैठकें अपने आप में ऐतिहासिक रही हैं। इन बैठकों में युद्ध

में शामिल दोनों पक्षों ने भाग लिया और युद्ध खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। उनका कहना था कि राष्ट्रपति की टीम शांति की दिशा में कदम आगे बढ़ाने में लगी हुई है।

कैरोलिन लेविट ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति की कोशिशों को छोड़ा नहीं है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति शांति प्रक्रिया को नहीं छोड़ रहे है। कूटनीति उनकी विदेश नीति के एजेंडे की प्राथमिकता बनी हुई है।' रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने चौथे साल में प्रवेश कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप दोनों देशों के बीच युद्धविराम या राजनीतिक समाधान निकालने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने कूटनीतिक और सुरक्षा से जुड़े कदमों में अहम भूमिका निभाई है। भारत सहित दुनिया के कई देशों के लिए रूस-यूक्रेन संघर्ष में अमेरिका की भूमिका काफी महत्वपूर्ण बनी हुई है। इसका असर वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा बाजार और यूरोप में शक्ति संतुलन पर लगातार पड़ रहा है।

दुनिया बहुपक्षीय व्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गई है - महासभा प्रमुख

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक ने चेतावनी दी है कि दुनिया, बहुपक्षवादी व्यवस्था के लिए एक अहम मोड़ पर पहुँच चुकी है, और नियम-आधारित व्यवस्था केवल तभी टिक सकती है, जब देश सच्चाई को बयाँ करें और कठिन परिस्थितियों में सही क़दम उठाएं. उन्होंने बुधवार को स्विट्ज़रलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक को सम्बोधित करते हुए, एक क्षेत्रीय गठबन्धन बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि बढ़ती अराजकता, जानबूझकर फैलाई जाने वाली ग़लत जानकारी और शक्ति-आधारित राजनीति का विरोध किया जा सके. यूएन महासभा प्रमुख ने विश्व आर्थिक मंच में सत्र में बोलते हुए ने चेतावनी दी कि लम्बे समय से वैश्विक विश्वास का मध्यस्थ माने जाने वाली बहुपक्षीय संस्थाएँ ज़बरदस्त दबाव में हैं, क्योंकि युद्ध बढ़ रहे हैं और अन्तरराष्ट्रीय क़ानून के प्रति सम्मान घट रहा है.इस सत्र में ऐनालेना बेयरबॉक ने सवाल किया, 'विश्वास की मध्यस्थता कौन करता है? 'उन्होंने कहा, 'सामान्य दौर में इसका सरल उत्तर होताः संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएँ,' लेकिन 'अब यह कोई आम समय नहीं है.' महासभा अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक ने कहा कि आज दुनिया, हाल के इतिहास में किसी भी समय से ज़्यादा युद्धों से जूझ रही है. 2026 की शुरुआत से ही, दरारें और अधिक गहरी हुई हैं. इन परिस्थितियों में, कुछ सदस्य देश आवश्यक होने के बावजूद सिद्धान्तों पर आधारित कार्रवाई करने में हिचकिचा रहे हैं. 'वे आवाज़ें, जो कभी संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तीन स्तम्भों - शान्ति व सुरक्षा, सतत विकास, और मानवाधिकार - के समर्थन में मुखर थीं, अब उनके पतन के सामने धीरे-धीरे ख़ामोश होती जा रही हैं.' 'संयुक्त राष्ट्र केवल दबाव में नहीं है, बल्कि इस पर सीधे हमले किए जा रहे हैं. 'सत्य और साझा तथ्य...ऐनालेना बेयरबॉक ने ज़ोर देकर कहा कि सत्य और साझा तथ्य के बिना विश्वास क़ायम नहीं रह सकता है, लेकिन यह बुनियाद, जानबूझकर फैलाए जा रही झूठी या भ्रामक जानकारी से लगातार कमज़ोर हो रही है.उन्होंने नोबेल शान्ति पुरस्कार विजेता मारिया रेस्सा के शब्दों में कहा, 'बिना तथ्यों के, सत्य नहीं हो सकता. बिना सत्य के, विश्वास नहीं हो सकता. 'महासभा अध्यक्ष ने आगाह किया कि झूठ आमतौर पर आकस्मिक नहीं होते, बल्कि अक्सर 'गलत और भ्रामक जानकारी को हथियार बनाकर' इस्तेमाल में लाए जाते हैं. स्पष्ट झूठ के सामने, कूटनैतिक मौन केवल अविश्वास को और गहरा करता है.उन्होंने कहा कि 'हम सत्य और तथ्यों पर समझौता नहीं करते...हम इनका उपयोग बातचीत करने और विश्वास क़ायम करने के लिए करते हैं. 'ऐनालेना बेयरबॉक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न जोखिमों को उजागर करते हुए कहा कि एआई के ज़रिए बड़े लाभ हासिल होते हैं।

व्हाइट हाउस ने इमिग्रेशन कानून को लेकर राज्यों पर दबाव डाला

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने तथाकथित 'सैंक्चुरी पॉलिसी' की आलोचना की है। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संघीय आव्रजन कानूनों को लागू कराने के लिए राज्य और स्थानीय प्रशासन से अधिक मजबूत सहयोग की मांग कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की ब्रीफिंग में कैरोलिन लेविट ने कहा कि प्रशासन राज्य और लोकल सरकारों की ओर से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के विरोध को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए सीधा खतरा मानता है। उन्होंने मिनेसोटा में डेमोक्रेटिक नेताओं पर संघीय आव्रजन कानून की खुलकर अवहेलना करने और संघीय अधिकारियों को अपना काम करने से रोकने का आरोप लगाया। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज से बात की और उन्होंने सहयोग के लिए तीन बहुत ही आसान और सामान्य समझ वाले

बिंदु रखे, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि ये आईसीई और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच होने चाहिए। इनमें स्थानीय पुलिस की ओर से गिरफ्तार किए गए अवैध प्रवासियों को सौंपना, आपराधिक रिकॉर्डवाले लोगों को कस्टडी में ट्रांसफर करना और अधिकारियों को बिना किसी रुकावट के काम करने देना शामिल था। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि प्रशासन का मानना है कि ऐसा सहयोग ज्यादातर राज्यों में आम बात है। इसके साथ ही, चेतावनी दी गई है कि इसका पालन न करने की वजह से मिनेसोटा में दुखद रूप से जानें गई हैं। लेविट के अनुसार, राष्ट्रपति कांग्रेस से अपील कर रहे हैं कि वह तुरंत ऐसा कानून पास करे जिससे 'सैंक्चुरी सिटीज' को हमेशा के लिए खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन उनके पास कानूनी आव्रजन प्रवर्तन लागू करने के ऑपरेशन्स में रुकावट डालने और बाधा डालने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। लेविट ने आगे कहा कि ऐसे काम अपराध हैं और इससे अधिकारियों की जान को खतरा होता है। कैरोलिन लेविट ने प्रशासन की इमिग्रेशन रणनीति का भी बचाव किया और कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप सबसे खतरनाक आपराधिक विदेशियों को देश से बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आईसीई ने हाल के दिनों में कई अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें हमला, घरेलू हिंसा, धोखाधड़ी और नशे में गाड़ी चलाने के दोषी लोग शामिल हैं। नागरिक आजादी के बारे में सवालों का जवाब देते हुए लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति कानून मानने वाले नागरिकों के दूसरे संशोधन के अधिकारों का समर्थन करते हैं, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों का सामना करते समय हथियार ले जाना घातक परिणामों के जोखिम को बढ़ा देता है। यह मामला तब सामने आया, जब डेमोक्रेट नियंत्रित राज्य और शहरों ने फेडरल अथॉरिटी को चुनौती दी।

नेपाल में आम चुनाव के बाद सदन में दो तिहाई नए सांसदों का आना तय

एजेंसी

काठमांडू। आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव के बाद गठित होने वाली प्रतिनिधि सभा में वर्तमान संसद के लगभग दो-तिहाई सांसद दिखाई नहीं देंगे। पिछले सितंबर महीने में भंग हुई प्रतिनिधि सभा के करीब 170 सांसद इस बार चुनावी प्रतिस्पर्धा में ही नहीं हैं। हालांकि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में निवर्तमान सांसद आपस में ही चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन यदि चुनाव मैदान में उतरे निवर्तमान सांसदों में से अधिकतम संख्या भी जीत जाए, तब भी नई बनने वाली प्रतिनिधि सभा में प्रत्यक्ष और समानुपातिक प्रणाली से दो-तिहाई से अधिक नए चेहरे आने लगभग तय माने जा रहे हैं। संघीय संसद के पूर्व महासचिव मनोहरप्रसाद भट्टराई के अनुसार उम्मीदवारों और उनकी पृष्ठभूमि देखने पर स्पष्ट होता है कि लगभग दो-तिहाई नए उम्मीदवार निर्वाचित होंगे। जो अभी चुनाव लड़ रहे हैं, उनमें से भी सभी निवर्तमान सांसदों के जीतने की कोई गारंटी नहीं है। कई तो चुनाव से ही बाहर हो जाएंगे, जिससे नए चेहरों की संख्या और बढ़ सकती है।

प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत 165 निवर्तमान सांसदों में से 70 सांसद इस बार उम्मीदवार ही नहीं हैं। वहीं समानुपातिक प्रणाली के 110 सांसदों में से अधिकतम 10 ही चुनावी मैदान में हैं। सन 2022 में निर्वाचित होकर इस बार फिर चुनाव लड़ रहे लगभग 100 निवर्तमान सांसदों की जीत भी सुनिश्चित नहीं है। इसके अलावा, 8 पूर्व सांसद आपस में ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। नेपाली कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा, निवर्तमान उपाध्यक्ष धनराज गुरुङ और वर्तमान उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकताः नाटो प्रमुख

एजेंसी

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रट ने चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता और उसे इस स्थिति में पहुंचने के लिए सैन्य क्षमता के विस्तार पर दोगुना से कहीं अधिक खर्च करना होगा। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मार्क रट ने यहां यूरोपीय संसद की विदेश मामलों की समिति और सुरक्षा और रक्षा समिति के संयुक्त सत्र में कहा, अगर कोई यहां सोचता है कि यूरोपीय संघ, या पूरा यूरोप, अमेरिका के बिना खुद की रक्षा कर सकता है, तो सपने देखते रहें। आप नहीं कर सकते। हम नहीं कर सकते। हमें एक-दूसरे की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अमेरिका भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नाटो पर निर्भर है। रट ने नाटो सहयोगियों के बीच आपसी निर्भरता पर जोर देते हुए कहा, अगर आप सच में अकेले चलना चाहते हैं और जो लोग इसके लिए गुहार

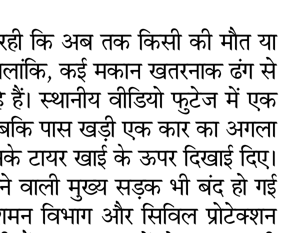

लगा रहे हैं, वे भूल जाएं, आप पांच प्रतिशत के साथ कभी वहां नहीं पहुंच सकते। आपको अपनी खुद की परमाणु क्षमता बनानी होगी जिसमें अरबों-खरबों यूरो खर्च होंगे। आप हार जाएंगे, फिर, उस स्थिति में, आप हमारी आजादी के अंतिम रक्षक को खो देंगे।

मार्क रट ने नाटो और यूरोपीय संघ के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उनकी संयुक्त ताकत को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ईयू लचीलेपन में बहुत अच्छा है, लेकिन ईयू विनियमन के मामले में बहुत सख्त है। और यहां, हमें विशेष रूप से विनियमन में ढील की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी ग्रीनलैंड को लेकर चल रहे तनाव के बीच आई है। यह तनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डेनिश क्षेत्र को हासिल करने के कथित विवादास्पद प्रयास के बाद शुरू हुआ है।

ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में रट से मिलने के बाद अपना लहजा नरम किया और घोषणा की कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर एक फ्रेमवर्क डील पर चर्चा की है जो उनकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करेगी और रूसी और चीनी प्रभाव का मुकाबला करेगी। रट ने कहा कि ग्रीनलैंड और आर्कटिक सुरक्षा पर दो तरह पर सहमति बनी है, जिसमें एक इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि गठबंधन सामूहिक रूप से रूस और चीन को आर्कटिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने से कैसे रोक सकता है। इसमें नाटो अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि दूसरी बात डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के बीच है। उन्होंने कहा, यह डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका पर निर्भर है कि वे ऐसा करें। नाटो इसमें शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा, मेरे पास डेनमार्क की ओर से बातचीत करने का कोई अधिकार नहीं है, इसलिए मैंने नहीं किया, और मैं नहीं करूंगा। मास्को-कीव युद्ध पर मार्क रट ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के लिए बुनियादी रक्षा जरूरतों को पूरा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यूक्रेन को लड़ाई में बनाए रखने में अमेरिकी समर्थन की अहम भूमिका पर जोर दिया।

आरबीआई नेपाली नागरिकों के लिए भारत में डिजिटल भुगतान सुविधा को जल्द शुरू करने पर सहमत

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेपाली नागरिकों के लिए भारत में क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान को जल्द शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संबंध में नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर डॉ. विश्वनाथ पौडेल और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के बीच दिल्ली में हुई बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। नेपाल राष्ट्र बैंक के अनुसार, बैठक में अंतरदेशीय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान लेनदेन तथा दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े विषयों पर बातचीत हुई। दोनों गवर्नरों के बीच विशेष रूप से इस बात पर चर्चा केंद्रित रही कि भारत यात्रा के दौरान नेपाली नागरिक क्यूआर कोड के जरिए आसानी से भुगतान कर सकें। इसके अलावा मौद्रिक नीति, तरलता प्रबंधन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुपरविजन तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आरबीआई द्वारा अपनाई गई अच्छी नीतिगत

प्रथाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। नेपाल राष्ट्र बैंक ने बताया कि वित्तीय क्षेत्र से जुड़े उभरते और समसामयिक मुद्दों पर भी दोनों पक्षों के बीच सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान पर सहमति बनी।

इस बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक के विदेशी मुद्रा प्रबंधन विभाग के कार्यकारी निदेशक किरण पंडित, भुगतान प्रणाली विभाग के कार्यकारी निदेशक डॉ. सत्येंद्र तिमिल्सिना और बैंक सुपरविजन विभाग के कार्यकारी निदेशक दीर्घबहादुर रावल ने भी अपने-अपने विभागों से जुड़े विषयों पर आबीआई के साथ सहकार्य की संभावनाओं पर अपने विचार रखे।

भारत दौरे के दौरान गवर्नर पौडेल ने गुजरात के अहमदाबाद स्थित 'इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर अथॉरिटी' के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

इस अवसर पर 'गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी' की अवधारणा, वर्तमान स्थिति, निवेश प्रोत्साहन के लिए अपनाई गई नीतियों तथा नेपाल राष्ट्र बैंक के साथ संभावित सहयोग के विषयों पर भी चर्चा हुई।

स्पेन-निकारागुआ कूटनीतिक टकरावः दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निकाला

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन और निकारागुआ के बीच कूटनीतिक तनाव और गहरा गया है। स्पेन सरकार ने निकारागुआ के राजदूत समेत दो वरिष्ठ राजनयिकों को देश से निष्कासित करने का आदेश दिया है। यह कदम निकारागुआ द्वारा एक दिन पहले मानागुआ से स्पेन के राजदूत और उनके उप-राजदूत को बाहर किए जाने के जवाब में उठाया गया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह पारस्परिक है और निकारागुआ द्वारा स्पेनिश राजनयिकों को निष्कासित करना अनुचित था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार निकारागुआ की आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों देशों के रिश्ते बीते कई वर्षों से तनावपूर्ण रहे हैं। स्पेन ने राष्ट्रपति डैनियल ओर्टेगा सरकार पर विपक्षी नेताओं, नागरिक समाज और स्वतंत्र मीडिया के खिलाफ सख्ती बरतने को लेकर बार-बार आलोचना की है। साथ ही, स्पेन यूरोपीय संघ द्वारा मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर लगाए गए प्रतिबंधों का भी समर्थन करता रहा है, जिससे मानागुआ असंतुष्ट रहा है। इससे पहले, वर्ष 2021 में भी स्पेन ने अपने राजदूत को परामर्श के लिए वापस बुला लिया था।

ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के खिलाफ यूएस-भारत ने शुरू किया नया संयुक्त तंत्र

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के लिए एक नया संयुक्त तंत्र शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार, इसका उद्देश्य दोनों देशों की सुरक्षा और समाज को सुरक्षित बनाना है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, यूएस-इंडिया ड्रग पॉलिसी एग्जीक्यूटिव वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक 20 से 21 जनवरी तक वाशिंगटन में हुई। इस बैठक की शुरुआत अमेरिका के राष्ट्रीय ड्रग नियंत्रण नीति कार्यालय की निदेशक सारा कार्टर ने की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और नशे से जुड़े आतंकवाद को खत्म करने को लेकर समान सोच है। सारा कार्टर ने कहा कि नशे का संकट अब राष्ट्रीय सुरक्षा का एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। यह नया कार्य समूह दोनों देशों की साझेदारी का उपयोग कर परिवारों की सुरक्षा करेगा और साथ ही वैध उद्योगों को भी सहयोग देगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत नशीले पदार्थों की तस्करी से होने वाले खतरे को रोकने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि इसमें अवैध ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स के डायवर्जन से निपटना भी शामिल है।

क्वात्रा ने कहा कि भारत मजबूत प्रवर्तन और वैध व्यापार को सुविधाजनक बनाने के बीच संतुलन बनाने पर काम कर रहा है, जिसमें कानूनी फार्मास्युटिकल गतिविधि भी शामिल है। इस वर्किंग ग्रुप का नेतृत्व अमेरिकी पक्ष से एक्टिंग ओएनडीसीपी डिप्टी डायरेक्टर डेबी सेगुइन और भारतीय पक्ष से भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की डिप्टी डायरेक्टर जनरल मोनिका आशीष बत्रा कर रही हैं। दोनों देशों के अधिकारियों ने कहा कि यह समूह ठोस और मापे जा सकने वाले नतीजों पर ध्यान देगा, ताकि नशे के खिलाफ सहयोग को आगे बढ़ाया जा सके। अमेरिका और भारत ने अवैध नशीले पदार्थों और उन्हें बनाने वाले रसायनों के उत्पादन व तस्करी को खत्म करने के लिए मिलकर प्रयास तेज करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों का कहना है कि ये गतिविधियां दोनों देशों के समाज के लिए खतरा हैं। दोनों सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए पूरे सरकारी तंत्र के साथ मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना है कि विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। अधिकारियों ने फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि डायवर्जन को रोकने के प्रयास देश के नियम-कानूनों के अनुरूप होने चाहिए और इससे वैध उद्योगों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। बयान के अनुसार, यह बैठक हाल के उन संयुक्त अभियानों पर आधारित थी, जिनमें नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क को निशाना बनाया गया था। अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों ने इन वार्ताओं को वैश्विक नशा समस्या से निपटने के प्रति दोनों देशों की साझा और लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का संकेत बताया।

उन्होंने कहा कि नया वर्किंग ग्रुप दोनों देशों में सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास को दर्शाता है। यह पहल ऐसे समय में की गई है, जब दुनिया भर की सरकारें कृत्रिम नशों और रसायनों के दुरुपयोग से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका-भारत सुरक्षा सहयोग का दायरा बढ़ा है, जिसमें आतंकवाद विरोधी कदम और कानून व्यवस्था से जुड़ा समन्वय भी शामिल है।

page 1 and 8 jan 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/28/2026 12:42 AM Page 2

भारी बर्फबारी में BRO का साहसिक अभियान, 10,500 फीट की ऊंचाई पर फंसे 60 लोगों को सुरक्षित निकाला

अमीर इक़बाल ख़ान

कठोर मौसम और दुर्गम हालात को मात देते हुए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में स्थित सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चतरगला दर्रे पर एक उल्लेखनीय राहत एवं बचाव अभियान को अंजाम दिया। 10,500 फीट की ऊंचाई पर शून्य से नीचे तापमान के बीच बीआरओ ने 40 घंटे के निरंतर अभियान में करीब 38 किलोमीटर लंबे बर्फ से ढके मार्ग को साफ कर 40 सेना के जवानों और 20 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह अभियान 26 जनवरी की देर रात पूर्ण हुआ, जिसे 35 बॉर्डर रोड्स टास्क फोर्स (बीआरटीएफ)

उधमपुर के कमांडर एस.के. सिंह के निर्देशन में 118 रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी (आरसीसी) ने अंजाम दिया। पश्चिमी विक्षोभ के कारण 23-24 जनवरी को हुई भारी बर्फबारी से भद्रवाह-पठानकोट राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित चतरगला दर्रा पूरी तरह बंद हो गया था। पांच से छह फीट तक जमी बर्फ में 4 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) का काफिला हथियारों और रसद सामग्री सहित, साथ ही कई नागरिक वाहन फंस गए थे।

भद्रवाह स्थित 118 आरसीसी के अधिकारी कमांडिंग जीवितेश रज़ोरा ने बताया कि संकट संदेश मिलते ही मशीनरी और जवानों को तुरंत तैनात किया गया। तेज हवाओं और बेहद कम दृश्यता के बीच हमारे जवानों ने दिन-रात काम कर बर्फ की मोटी परत को काटा। 10,500 फीट की ऊंचाई पर मौसम पल भर में जानलेवा हो सकता है, लेकिन 'श्रमेण सर्वं साध्यम्' हमारे लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि कर्तव्य है, उन्होंने कहा।

समय पर की गई कार्रवाई से 4 आरआर के 40 जवानों और 20 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भद्रवाह से बनी-बसोहली की ओर जा रहे स्थानीय निवासी गुलाम नबी ने राहत व्यक्त करते हुए कहा, हमने उम्मीद छोड़ दी थी। वाहन पूरी तरह बर्फ में दब गए थे। बीआरओ के जवान फरिश्तों की तरह पहुंचे—रास्ता ही नहीं खोला, बल्कि गर्म चाय और हौसला भी दिया।

फंसे काफिले में शामिल 4 आरआर के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर ने एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की सराहना की। उन्होंने कहा कि दर्रे का खुलना न केवल सैन्य आवाजाही, बल्कि इस सेक्टर में रसद आपूर्ति बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी था।

गौरतलब है कि चतरगला दर्रा डोडा और कठुआ जिलों को जोड़ने वाला अहम संपर्क मार्ग है, जहां सर्दियों में भारी बर्फबारी आम है। यह सफल अभियान प्रोजेक्ट 'सम्पर्क' की एक और उपलब्धि है, जो इस रणनीतिक क्षेत्र में सड़क नेटवर्क का रखरखाव करता है।

भद्रवाह के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता जफ्फर हुसैन वानी ने बीआरओ की तत्परता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जवानों की त्वरित कार्रवाई से न केवल सेना के जवानों की जान बची, बल्कि उनके हथियार और रसद भी सुरक्षित रहे। उन्होंने 118 आरसीसी यूनिट और उसके कर्मियों को इस अद्वितीय साहस के लिए गैलेंट्री अवॉर्ड दिए जाने की मांग की।

इस बीच, जिला विकास आयुक्त डोडा हरविंदर सिंह (आईएएस) ने भी 23 जनवरी की बर्फबारी के बाद चतरगला दर्रे पर फंसे सेना के जवानों और नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बीआरओ के प्रयासों की सराहना की है।

क्षेत्रीय कार्यालय,जम्मू में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन ।

क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू में 77 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2026 को हर्षोल्लास एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। श्री राम स्वरूप, कार्यपालक निदेशक महोदय ने कार्यालय परिसर के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जनसमूह के साथ राष्ट्रगान गाया ।

अपने संबोधन में, श्री राम स्वरूप ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि गणतंत्र दिवस हर भारतीय के लिए एक

गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर है। वर्ष 1950 में इसी दिन भारत ने अपना संविधान अपनाया और एक संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। यह दिन हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों और हमारे संविधान निर्माताओं के बलिदानों और योगदानों की याद दिलाता है। आज, एक ऐसा संविधान लागू हुआ जिसने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की नींव रखी। यह शुभ दिन हमें आत्मनिरीक्षण करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करता है। हमें निगम और देश के विकास के लिए अपना काम जिम्मेदारी और ईमानदारी से करने की ज़रूरत है।

इस अवसर श्री पंकज वशिष्ठ, महाप्रबंधक (सिविल), श्री आर.पी.मौर्य, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), अधिकारी एवं कर्मचारी गण व उनके परिवार के सदस्य, सुरक्षा कर्मी एवं सहयोगी स्टाफ भी उपस्थित थे।

पूरे जम्मू व कश्मीर में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

***जम्मू, 26 जनवरी।** जम्मू संभाग भर में आज कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किए गए।

इन समारोहों में विभिन्न टुकड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट, बैंड की प्रस्तुतियां तथा राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय विविधता को उजागर करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जम्मू क्षेत्र के सभी जिलों में समारोह शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हुए, जो संबंधित प्रशासन की बेहतर तैयारी और समन्वय को दर्शाते हैं।

डोडा में

77वां गणतंत्र दिवस खेल स्टेडियम में अत्यंत उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

जिला विकास परिषद के अध्यक्ष धनंतर सिंह कोटवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। छात्रों द्वारा मधुर राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने समारोह में भाग लिया।

मुख्य अतिथि ने सीआरपीएफ, एसएसबी, जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस, जम्मू-कश्मीर पुलिस, प्रथम महिला बटालियन, वन सुरक्षा बल, होम गाड्र्स, एनसीसी (सीनियर व जूनियर), सरकारी डिग्री कॉलेज, सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय (बालक) तथा विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च-पास्ट की सलामी ली।

इस अवसर पर DDC उपाध्यक्ष संगीता रानी, उपायुक्त हरविंदर सिंह, एसएसपी संदीप कुमार मेहता, एडीसी अनिल कुमार ठाकुर, सीपीओ मनेश कुमार मनहास, जिला अधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में धनंतर सिंह कोटवाल ने 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भद्रवाह में दुर्घटना में शहीद हुए जवानों को भी नमन किया।

उन्होंने देश की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, HADP, JKCIP, नशा मुक्त भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण अभियानों की सराहना की।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों, पुलिस पब्लिक स्कूल डोडा, कला उत्सव और शिक्षा विभाग से जुड़े कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के 150 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में प्रस्तुति से हुई। इसके बाद देशभक्ति गीत, नाटक और गोजरी, डोगरी, सेराजी, भद्रवाही एवं कश्मीरी लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। अंत में प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

भद्रवाह में

न्यू बस स्टैंड पर 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

अपर उपायुक्त भद्रवाह, सुनील कुमार भुट्याल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस, एनसीसी तथा विद्यालयी छात्रों द्वारा प्रस्तुत मार्च-पास्ट की सलामी ली।

इस अवसर पर एएसपी भद्रवाह, सीईओ बीडीए, डीएफओ, तहसीलदार, बीएमओ, वरिष्ठ नागरिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उधमपुर में

जिला विकास परिषद अध्यक्ष लाल चंद ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (बालक), उधमपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और 31 टुकड़ियों की मार्च-पास्ट की सलामी ली।

समारोह में डीआईजी सारा रिज़वी, उपायुक्त सलोनी राय, एसएसपी अमोद अशोक नागपुरे सहित सेना, वायुसेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ और नागरिक समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अध्यक्ष ने संविधान, लोकतंत्र और विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए ह॥– 244 परियोजना, पीएमजीएसवाई सड़कों, जीएमसी उधमपुर, पीएम-किसान और मिशन युवा की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समारोह को और भी भव्य बना दिया।

रामबन में

डीडीसी अध्यक्ष डॉ. शमशाद शान ने जिला पुलिस लाइन में तिरंगा फहराया और 23 टुकड़ियों की परेड की सलामी ली।

उन्होंने एनएच-44, यूएसबीआरएल रेल परियोजना, पीएमएवाई-जी, जिला कैपेक्स बजट और स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार भी वितरित किए गए।

किश्तवाड़ में

डीडीसी अध्यक्ष पूजा ठाकुर ने मिनी सचिवालय में ध्वजारोहण किया। विभिन्न सुरक्षा बलों, एनसीसी और स्कूलों की टुकड़ियों ने मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया।

उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और जिले की विकास योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, बिजली क्षमता वृद्धि और कृषि उपलब्धियों की जानकारी दी।

प्रतिभाशाली छात्रों, अधिकारियों और सांस्कृतिक दलों को सम्मानित किया गया।

सांबा में**

रानी सुचेत सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में डीडीसी अध्यक्ष केशव दत्त शर्मा ने ध्वजारोहण किया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने देशभक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

राजौरी में

डीडीसी अध्यक्ष अधिवक्ता चौधरी नसीम लियाकत ने डीपीएल मैदान में ध्वजारोहण किया।

उन्होंने संविधान, विकास योजनाओं और दूरदराज क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मेधावी छात्रों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

जनरल ज़ोरावर सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में डीडीसी अध्यक्ष सराफ सिंह नाग ने ध्वजारोहण किया।

उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास कार्यों और आपदा प्रबंधन प्रयासों की जानकारी दी। विभागों द्वारा झांकियां प्रस्तुत की गईं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को भव्य बना दिया।

जिले के सभी उप-मंडलों और तहसीलों में भी गणतंत्र दिवस समान उत्साह के साथ मनाया गया। कश्मीर घाटी में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कश्मीर संभाग के सभी जिलों में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किए गए।

जिला, उप-मंडल, तहसील और ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रभावशाली परेड, विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

बडगाम में

जिला बडगाम में 77वें गणतंत्र दिवस-2026 के अवसर पर भव्य समारोह आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम स्पोर्ट्स स्टेडियम बडगाम में हुआ, जहां उपायुक्त डॉ. बिलाल मोही-उद-दीन भट्ट ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च-पास्ट की सलामी ली।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा जिले में चल रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जिला अस्पताल बडगाम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, रिंग रोड, सड़क संपर्क, शिक्षा, जल शक्ति, केपीडीसीएल तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

परेड में जम्मू-कश्मीर पुलिस, जेकेएपी, सीआरपीएफ, होम गाड्र्स और स्कूली छात्रों ने भाग लिया। रौफ, देशभक्ति गीत, लोक नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

बांदीपोरा में

एस.के. स्टेडियम, बांदीपोरा में आयोजित मुख्य समारोह में डीडीसी अध्यक्ष अब्दुल गनी भट्ट ने तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली।

परेड में सीआरपीएफ, जेके पुलिस, आईआरपी, महिला बटालियन, वन विभाग, होम गाड्र्स, एनसीसी और स्कूली छात्र शामिल रहे। पुलिस बैंड की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही।

डीडीसी अध्यक्ष ने लोकतंत्र और विकास की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

कुलगाम में

जिला पुलिस लाइंस कुलगाम में आयोजित मुख्य समारोह में डीडीसी अध्यक्ष मोहम्मद अफजल पर्रे ने ध्वजारोहण किया।

उन्होंने संविधान के महत्व और जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल जीवन मिशन, पीएमएवाई-जी, कैपेक्स, मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन ने समारोह को विशेष बना दिया।

बारामूला में

उपायुक्त मिंगा शेरपा ने डीसी कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों, एकता और समावेशी विकास पर बल दिया।

कुपवाड़ा में

जिला पुलिस लाइंस कुपवाड़ा में आयोजित समारोह में डीडीसी अध्यक्ष इरफान सुल्तान पंडितपोरा ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली।

परेड में पुलिस, अर्धसैनिक बल, होम गाड्र्स, विशेष कमांडो, स्कूली छात्र और विभागीय झांकियां शामिल रहीं। अध्यक्ष ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, जल जीवन मिशन, सड़क, रेलवे और कैपेक्स योजनाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

पुलवामा में

जिला पुलिस लाइंस पुलवामा में आयोजित भव्य समारोह में डीडीसी अध्यक्ष सैयद अब्दुल बारी अंद्राबी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

परेड में पुलिस, सीआरपीएफ, एनसीसी और छात्र शामिल रहे। रौफ, लोक गीत, पारंपरिक नृत्य और संतूर वादन ने सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाया।

धर्मार्थ ट्रस्ट ने देशभक्ति उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

जम्मू। जम्मू और कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट ने आज यहां ट्रस्ट के केंद्रीय कार्यालय में देशभक्ति उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. परशोत्तम सिंह पठानिया द्वारा ट्रस्ट के सचिव अशोक कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त एसएसपी) के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुई। इस अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई और राष्ट्रगान का गायन किया गया। अपने संबोधन में डॉ. पी.एस. पठानिया ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे एक पावन अवसर बताया। माननीय चेयरमैन ट्रस्टी डॉ. करण सिंह जी की ओर से उन्होंने कर्मचारियों के समूह को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने भारत गणराज्य की स्थापना तक की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित किया और सभी से अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

सचिव अशोक कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में ट्रस्ट के कर्मचारियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।